मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 21 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 7 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 307 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

▸ फोटोग्राफर्स पर भड़की रानी मुखर्जी ◂◂ 6

दक्षिण छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता शुरू, तीन दिन तक होंगे मुकाबले

संवाददाता

रांची : कांके रोड स्थित न्यू पुलिस लाइन में मंगलवार से दक्षिण छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत हो गई। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन एडीजी मनोज कौशिक ने गुब्बारे उड़ाकर किया। प्रतियोगिता 21 से 23 जुलाई तक आयोजित होगी, जिसमें दक्षिण छोटानागपुर के पांच जिलों रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा की पुलिस टीमें हिस्सा ले रही हैं।

कई खेलों में दिखेगा पुलिसकर्मियों का दम : प्रतियोगिता के दौरान फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स समेत कई खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी जिलों की टीमें लगभग हर खेल में अपनी भागीदारी दर्ज करा रही हैं। तीन दिनों तक पुलिसकर्मी खेल के मैदान में अपनी फिटनेस, टीम भावना और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

तनाव कम करने का सबसे अच्छा जरिया है खेल : उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए एडीजी मनोज कौशिक ने कहा कि पुलिसकर्मी 24 घंटे ड्यूटी करते हैं। लगातार काम और जिम्मेदारियों के कारण उन पर मानसिक दबाव भी रहता है। ऐसे में खेलकूद न सिर्फ तनाव कम करने का जरिया है, बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने का भी सबसे बेहतर माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि प्रतियोगिता को सिर्फ जीत-हार के नजरिए से नहीं, बल्कि खेल भावना के साथ खेलें। हर मुकाबले में एक टीम जीतती है और दूसरी हारती है, लेकिन हार का मतलब कमजोर होना नहीं होता। खेल हमें अनुशासन, धैर्य और टीमवर्क सिखाता है।

खेल से बढ़ेगा उत्साह और कार्यक्षमता : रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं पुलिसकर्मियों की शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक दक्षता भी बढ़ाती हैं। जब पुलिसकर्मी फिट और तनावमुक्त रहेंगे, तो वे और अधिक ऊर्जा और उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा सकेंगे। उद्घाटन समारोह में एसएसपी राकेश रंजन के अलावा सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, सदर डीएसपी संजीव बेसरा, सिटी डीएसपी केवी रमण, बेड़ो डीएसपी दीपक कुमार समेत कई डीएसपी, इंस्पेक्टर, झारखंड पुलिस और पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

राहुल राणा की अग्रिम जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई, पुलिस को केस डायरी पेश करने का निर्देश

संवाददाता

रांची: कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के कथित सहयोगी राहुल राणा की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस को मामले की केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तिथि निर्धारित की।

मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रोंगोन मुखोपाध्याय की अदालत में हुई। राहुल राणा की ओर से गिरफ्तारी से संरक्षण की मांग करते हुए अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। बताया जा रहा है कि पुलिस कार्रवाई के भय से वह फिलहाल फरार है।

वेटर हत्याकांड में आरोपी की तलाश : राहुल राणा पर कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के लिए काम करने तथा रंगदारी के नेटवर्क से जुड़े होने के गंभीर आरोप हैं। पुलिस उसे रांची के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र स्थित होटल टी टॉस में हुई एक वेटर की हत्या के मामले में तलाश रही है। इस मामले में पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

पुलिस के अनुसार, राहुल राणा के विरुद्ध एयरपोर्ट थाना कांड संख्या 12/2026 दर्ज है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने झारखंड हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दायर की है। अब मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी, जब पुलिस अदालत के समक्ष केस डायरी प्रस्तुत करेगी।

रांची में चला नगर निगम का बुलडोजर, कई दुकानें ध्वस्त

रांची : राजधानी में लगातार जाम मुक्त सड़क बनाने के लिए नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत हरमू चौक पर नगर निगम की टीम के द्वारा सड़क किनारे लगाए गए दुकानों को हटाया गया। लगभग 20 से ज्यादा दुकानों को बुलडोजर की मदद से तोड़ा गया, स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने इसका जमकर विरोध किया।

दुकानदारों का कहना है कि वो लगभग 10 साल से दुकान लगा रहे हैं और अगर अब निगम इसे हटाती है, तो सभी कहां जायेंगे, वह दुकान ही उनकी रोजी रोटी है, सरकार को इसपर ध्यान देने की जरूरत है। रातु रोड से अरगोड़ा और बिरसा चौक तक लगातार वीआइपी मूवमेंट होता है और अगर दुकानें सड़क पर लगेंगी तो उससे आने और जाने वाले लोगों को काफी समस्या होती है।

बता दें कि नगर निगम की टीम लगातार राजधानी में हर चौक चौराहे को जाम मुक्त करने के लिए अभियान चला रही है और इसके तहत लगभग सभी सड़क के किनारे लगा रहे दुकानदारों को सूचना भी दे दी गई है, जो अभी भी दुकान लगा रहे हैं, उनसे नोटिस देकर जल्द से जल्द दुकान को हटाने को कहा गया है।

काम करने फैक्ट्री गया था सुपरवाइजर, बोरे में आयी लाश

संवाददाता

गिरिडीह: मुफ्फसिल थाना इलाके के औद्योगिक क्षेत्र में संचालित एक फैक्ट्री में हादसा हो गया। यहां एक सुपरवाइजर की मौत कोयला लदी मालवाहक की चपेट में आने से हो गई। मृतक धनबाद के निरसा का रहने वाला था और गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के कुटिया मंदिर रोड में रहता था। मृतक का नाम राजकिशोर सिन्हा (52 वर्ष) था। घटना सोमवार की देर रात हुई हैं।

घटना की सूचना पर मुफ्फसिल थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो दलबल के साथ पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। मालवाहक मृतक की शरीर पर चढ़ गया था, जिससे बॉडी पूरी तरह से क्षत-विक्षत हो गई। शव को बोरे में बांधकर अस्पताल लाया गया और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि परिजन मुआवजा की मांग करते हुए पोस्टमार्टम को रोके हुए हैं।

टॉर्च से वाहन को किया जा रहा था बैक

घटना को लेकर मृतक के साथ काम कर रहे कर्मियों ने बताया कि राजकिशोर रात में टॉर्च दिखाकर वाहन को बैक करवा रहा था। इसी दरमियान वाहन राजकिशोर पर ही चढ़ गया। वहीं, मृतक के भांजा आयुष रंजन सिन्हा का कहना है कि उनके मामा 20 साल से अधिक समय से इस फैक्ट्री में काम करते थे। फैक्ट्री में लापरवाही की गई। रौशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और टॉर्च के सहारे वाहन को बैक करवाया जा रहा था।

इधर, मामले की जानकारी पर भाजपा नेता सह बार एसोसिएशन के सचिव अधिवक्ता चुन्नूकांत भी पहुंचे। चुन्नूकांत ने कहा कि मृतक पिछले 20 साल से फैक्ट्री में काम करता था। परिजनों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि टॉर्च की रौशनी से वाहन को बैक कराना यह बतलाता हैं कि फैक्ट्री के अंदर रौशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होगी तभी टॉर्च का सहारा लिया जा रहा था। सदर अस्पताल पहुंचे भाकपा माले नेता राजेश सिन्हा ने भी उचित मुआवजा की मांग की। साथ ही साथ लापरवाही की जांच करने की भी मांग रखी।

घटना को लेकर फैक्ट्री से जुड़े सर्वेश सिंह का कहना है कि उनके फैक्ट्री में कार्यरत पुराने कर्मी राजकिशोर सिन्हा की मौत हादसे में हो गई। फैक्ट्री प्रबंधन मृतक के परिजनों के साथ है और उचित मुआवाज दिलवाया जाएगा। हालांकि जब सर्वेश से फैक्ट्री के अंदर रौशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहने का सवाल पूछा गया तो इस पर उन्होंने कहा कि यह सवाल मृतक के परिजनों ने नहीं उठाया है। यह कुछ बाहरी लोग पूछ रहे हैं।

बांस काटने को लेकर युवक की जमकर पिटाई, इलाज के दौरान मौत

कोडरमा: जिले के नवलशाही थाना अंतर्गत डोंगोडीह गांव में टेंट में इस्तेमाल किए जाने वाले बांस की कटाई को लेकर एक युवक की जमकर पिटाई की गई। जिसके बाद इलाज के क्रम में रांची के रिम्स में उसकी मौत हो गई है। ध्रुप साव बांस काट रहा था, तभी पड़ोस में रहने वाले डीजे संचालक सूरज साव और उसके पिता मोहन साव ने बांस चोरी का आरोप लगाकर ध्रुप की जमकर पिटाई कर दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में जब वह घर पहुंचा तो उसके परिजनों ने उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। इस दौरान मारपीट से घायल ध्रुप ने कई बार खून की उल्टियां भी की, जिससे परिजन घबरा गए। जिंदगी और मौत से जूझते हुए कुछ ही घंटे बाद ध्रुप ने रिम्स में दम तोड़ दिया। मौत को लेकर उसके परिजनों ने नवलशाही थाने में अपने पड़ोसियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल रिम्स में ध्रुप की मौत की सूचना के बाद देर रात पुलिस उसके घर पहुंची और कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इधर मारपीट के बाद उसके पड़ोसी डीजे संचालक सूरत साव और मोहन साव का पूरा परिवार फरार है। नवालशही थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि युवक की पिटाई से मौत की सूचना मिली हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों की तलाश की जा रही हैं।

दिल्ली कूच को रोकने के लिए पुलिस ने सील की सीमाएं, किसान बोले-'टकराव नहीं, संवाद चाहते हैं'

पटियाला । भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में पंजाब से हजारों किसान मंगलवार सुबह से दिल्ली कूच के लिए निकले लेकिन उन्हें शंभू, कुंडली और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस द्वारा रोक दिया गया। पुलिस ने सीमा पर भारी बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया। वहीं, किसानों ने साफ किया कि वे किसी भी बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि स्वदेश बचाओ मोर्चा के तहत पहले ही यह फैसला लिया गया था कि किसान किसी भी बैरिकेड को तोड़कर आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और किसी तरह का टकराव उनकी रणनीति का हिस्सा नहीं है। पंधेर ने बताया कि किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी और दिल्ली में किसानों की गिरफ्तारी के बाद किसानों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि उनकी पहली मांग गिरफ्तार किसानों की रिहाई है। इसके साथ ही वे चाहते हैं कि केंद्र सरकार बातचीत का रास्ता खोले और किसानों की चिंताओं को सुने।

उन्होंने बताया कि उनकी अंबाला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से बातचीत हुई थी। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उन्हें ऊपर से निर्देश मिले हैं कि किसानों को आगे नहीं जाने दिया जाएगा। हालांकि, किसानों ने प्रशासन से पूछा कि उन्हें रोकने की आधिकारिक वजह क्या है लेकिन इस संबंध में कोई सार्वजनिक आदेश या अधिसूचना नहीं दिखाई गई।

सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि दिल्ली के भीतर पहले से ही ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और पंजाब समेत कई राज्यों के हजारों किसान पहुंच चुके हैं। इनमें से कई किसानों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में समाधान चाहती है तो उसे बातचीत करनी चाहिए।

उन्होंने दोहराया कि शंभू बॉर्डर किसानों ने बंद नहीं किया है बल्कि हरियाणा सरकार ने बैरिकेड लगाकर रास्ता रोका है। उन्होंने कहा कि किसान विवाद नहीं बल्कि संवाद चाहते हैं। उनका कहना है कि यदि कृषि मंत्री या अन्य कोई बातचीत के लिए तैयार होता है तो किसान भी पूरी गंभीरता से उसमें शामिल होंगे।

शंभू बॉर्डर पर किसान नेताओं और प्रशासन के बीच बातचीत भी हुई। अधिकारियों ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि अंबाला के एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर आगे की स्थिति स्पष्ट की जाएगी। किसानों ने भी कहा कि वे बातचीत के नतीजे का इंतजार करेंगे और उसके बाद ही अगला फैसला लेंगे।

इस बीच किसान नेता मनजीत सिंह घुम्मन ने भी गुरनाम सिंह चढ़ूनी की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बातचीत होने की संभावना है, लेकिन फिलहाल किसानों को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

एक किसान ने कहा कि विदेशी बीज और कृषि उत्पाद भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल नहीं होते। पहले भी विदेशी कपास के बीजों के इस्तेमाल के बाद कई क्षेत्रों में गंभीर समस्याएं सामने आई थीं। उनका कहना है कि यदि आयात पर टैक्स कम या समाप्त कर दिया गया तो विदेशी कंपनियां पहले सस्ते दामों पर बाजार पर कब्जा करेंगी और बाद में अपनी मनमर्जी से कीमतें तय करेंगी। उनका आरोप है कि इससे भारतीय किसान और छोटे उद्योग सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

उधर, हरियाणा के करनाल में भी भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे किसानों को पुलिस ने रोक दिया। करनाल के बस्ताड़ा टोल प्लाजा से दिल्ली जाने वाले किसानों के वाहनों को आगे नहीं बढ़ने दिया गया। एक किसान ने कहा कि पहले ट्रैक्टरों को रोका गया, अब कारों को भी नहीं जाने दिया जा रहा है। ऐसे में किसानों ने पैदल दिल्ली जाने का फैसला किया है। किसानों का कहना है कि उनके आंदोलन का मुख्य मुद्दा भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील है। उनका आरोप है कि यदि यह समझौता लागू होता है तो इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और आम जनता को होगा। किसानों का कहना है कि सस्ते विदेशी कृषि उत्पाद और बीज भारतीय बाजार में आने से देश के किसानों की आय प्रभावित होगी।

रांची समेत कई जिलों में अगले तीन दिनों तक बारिश के आसार, येलो अलर्ट जारी

रांची : झारखंड में मॉनसून फिर से सक्रिय हो गया है। रांची समेत कई जिलों में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग की मानें तो अगले तीन दिनों तक राज्य के कुछ जिलों में बारिश हो सकती है। आईएमडी ने रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा और सिमडेगा के कुछ इलाकों में आज भी बारिश की संभावना जताई है। इन जिलों में तेज बारिश के साथ गरज-चमक, वज्रपात और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की अपील की है।

22 को भी बारिश होने की संभावना : 22 जुलाई को भी राज्य के ज्यादातर इलाकों में मौसम बदला हुआ रहेगा। आसमान में बादल छाए रहेंगे और कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा, चतरा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां में बारिश होने के आसार हैं।

वरिष्ठ वकील आगे आएं, पेपर लीक के आरोपियों को दिलाएं कठोर सजा : पीएम मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेपर लीक का मुद्दा केवल किसी एक राज्य या केंद्र सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की चिंता का विषय है। जैसे ही सरकार को पेपर लीक की जानकारी मिली, तुरंत कार्रवाई की गई और अब तक इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एनडीए के 'मंगल मिलन' कार्यक्रम के बाद मीडिया को बैठक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि पेपर लीक जैसे गंभीर अपराध में शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए देश के वरिष्ठ वकीलों को भी आगे आना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे अपराध करने वालों के मन में कानून का डर पैदा हो। रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार की पहली प्राथमिकता छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखना है। इसी वजह से नीट की दोबारा परीक्षा जल्द कराई गई और उसका परिणाम भी बिना किसी

देरी के घोषित किया गया, ताकि छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि पेपर लीक रैकेट में शामिल जिन लोगों की पहचान हुई है, उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दोषियों को इतनी सख्त सजा मिले कि भविष्य में कोई भी इस तरह का अपराध करने की हिम्मत न करे। किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि पेपर लीक केवल किसी एक राज्य या केंद्र सरकार का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे देश और युवाओं के भविष्य से जुड़ा मामला है। इसलिए सभी राज्यों और सभी राजनीतिक दलों को इस अपराध के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी दलगत राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि देश और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा का सवाल है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि सरकार सिर्फ भविष्य में पेपर लीक रोकने का भरोसा ही नहीं दे रही, बल्कि देश के युवाओं को विश्व स्तर पर नेतृत्व करने के लिए भी तैयार कर रही है। उन्होंने कहा है कि भारत के युवा विभिन्न क्षेत्रों में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार का पूरा ध्यान उनके भविष्य को मजबूत बनाने पर है। किरेन रिजिजू ने बताया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने स्काईरूट एयरोस्पेस की ओर से विक्रम-1 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा विज्ञान, तकनीक और नवाचार सहित कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इसलिए सरकार अपना समय, ऊर्जा और पूरा फोकस युवाओं और उनके भविष्य पर केंद्रित रखेगी।

किरेन रिजिजू ने बताया कि बैठक बेहद सकारात्मक रही। प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ महीनों में भारत की प्रमुख उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का जिक्र करते हुए कहा कि ये समझौते किसानों और देश, दोनों के हित में हैं। मानसून सत्र को लेकर भी प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों को संदेश दिया। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि एनडीए संसद के मानसून सत्र में सकारात्मक भूमिका निभाएगा और सरकार की ओर से संसद में लाए जाने वाले सभी विधेयकों और महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को एकजुट होकर आगे बढ़ाएगा।

उन्होंने विपक्षी दलों से भी सहयोग की अपील की। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश था कि राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन संसद देश, उसके भविष्य और युवाओं के लिए काम करने का सर्वोच्च मंच है। इसलिए सभी सांसदों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने और देशहित में मिलकर काम करना चाहिए।

समाचार सार

जंतर-मंतर में छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई निंदनीय : देवेन्द्र नाथ महतो

मुरी : लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष सह आंदोलनकारी छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर पुलिस बल प्रयोग एवं लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है।उन्होंने कहा कि देश के लाखों छात्र अपने भविष्य, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे हैं। ऐसे में उनकी बात सुनने के बजाय बल प्रयोग करना लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विपरीत है। देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि संसद भवन में बैठे हुक्मरानों को यह समझना चाहिए कि संसद किसी व्यक्ति, दल या सरकार की जागीर नहीं है। संसद पूरे देश की जनता की आवाज का सर्वोच्च मंच है। छात्र देश के भविष्य हैं और उनकी आवाज संसद तक पहुँचना लोकतंत्र की ताकत है, न कि अपराध। उन्होंने कहा कि देशभर के छात्र लंबे समय से नीट पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्ष भर्ती और शिक्षा व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दों को उठा रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को छात्रों की न्यायोचित मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए । लोकतंत्र में लाठी नहीं, बल्कि संवाद सबसे प्रभावी माध्यम है। सरकार को दमन का रास्ता छोड़कर छात्रों का विश्वास जीतना चाहिए और उनकी समस्याओं का शीघ्र एवं न्यायपूर्ण समाधान करना चाहिए।

झारखंड के जीआई उत्पादों को बाजार दिलाएग चैंबर

रांची : नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड के जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने को लेकर आयोजित कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नाबार्ड को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ग्रामीण विकास, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में संस्था की भूमिका की सराहना की।

आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड की पहचान केवल खनिज संपदा तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक शिल्प और जनजातीय विरासत भी इसकी बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि भागलपुरी साड़ी एवं फैब्रिक्स, कुचाई सिल्क, केसरिया कलाकंद, डोकरा शिल्प, जनजातीय आभूषण और बांस शिल्प सहित राज्य के 11 उत्पादों को जीआई टैग मिलना गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि झारखंड चैंबर राज्य के जीआई उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगा। इसके लिए उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और प्रभावी मार्केटिंग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स के माध्यम से स्थानीय कारीगरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सकता है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने नाबार्ड, झारक्राफ्ट और उद्योग विभाग को बाजार उपलब्ध कराने, ग्रामीण उद्यमियों को मार्गदर्शन देने और जीआई उत्पादों को कॉरपोरेट गिफ्टिंग एवं रिटेल बाजार में बढ़ावा देने में सहयोग का भरोसा दिलाया।

उन्होंने बांस आधारित उद्योगों की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वियतनाम में बांस से बने फैब्रिक और अन्य उत्पादों का व्यापक उपयोग हो रहा है। झारखंड में भी बांस आधारित उद्योगों के विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों और उद्योगों को आर्थिक लाभ मिल सकता है।

कार्यक्रम में झारक्राफ्ट की प्रबंध निदेशक गरिमा सिंह, भारतीय रिजर्व बैंक की क्षेत्रीय निदेशक रक्षा मिश्रा, नाबार्ड झारखंड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला घोष, एसएलबीसी के महाप्रबंधक गुरु प्रसाद गोंड सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, कारीगर और उद्यमी मौजूद थे।

एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करेगा चैंबर

रांची : झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पेट्रोलियम एवं एक्सप्लोसिव उप समिति की बैठक चैंबर भवन में आयोजित की गई। बैठक में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के वैश्विक ऊर्जा बाजार पर संभावित प्रभावों तथा भारत में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था पर चर्चा की गई।

बैठक में सदस्यों ने आशंका जताई कि यदि अंतरराष्ट्रीय तनाव लंबे समय तक जारी रहता है तो कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है। इसका सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ सकता है। इससे पेट्रोलियम उत्पादों की लागत, परिवहन खर्च और आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना व्यक्त की गई।

बैठक में एलपीजी उपभोक्ताओं की समस्याओं को भी उठाया गया। सदस्यों ने बताया कि दूसरी बार एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के लिए 25 दिनों की अनिवार्य अवधि पूरी होने के बाद भी डीएसी नंबर जारी होने में करीब 15 दिन का अतिरिक्त समय लग जाता है। इस कारण उपभोक्ताओं को लगभग 40 दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। चैंबर ने जिला प्रशासन से इस व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की।

बैठक में कहा गया कि वर्तमान में झारखंड में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सामान्य है। हालांकि, वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए लगातार निगरानी बनाए रखना जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी भी चुनौती का समय पर समाधान किया जा सके। चैंबर के उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि शहर में गेल इंडिया द्वारा पाइपलाइन बिछाने का कार्य और तेज किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा मिल सके। बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, पेट्रोलियम एवं एक्सप्लोसिव उप समिति के चेयरमैन जसविंदर सिंह, सदस्य किशन अग्रवाल, आनंद जालान सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डॉ सूरज मंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रांची : अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने हाल में हुई झारखंड सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में निर्धारित नियमों और योग्यताओं का पालन नहीं किया गया तथा आदिवासी, मूलवासी और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

डॉ सूरज मंडल और झारखंड मजदूर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने सोमवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि भविष्य में होने वाली ऐसी नियुक्तियों में ओबीसी समेत सभी वर्गों को उनकी आबादी के अनुरूप प्रतिनिधित्व दिया जाए।

डॉ मंडल ने कहा कि झारखंड गठन के बाद से ओबीसी वर्ग की उपेक्षा होती रही है। उन्होंने ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत किए जाने का भी मुद्दा उठाया और कहा कि इससे सरकारी नौकरियों में पिछड़ा वर्ग के अधिकार प्रभावित हुए हैं।

ज्ञापन में उन्होंने गोड्डा के पोड़ैयाहाट स्थित सूरज मंडल इंटर कॉलेज परिसर में दूसरे कॉलेज के संचालन पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना अलग भूमि, भवन, आधारभूत संरचना और निर्धारित प्रबंधन प्रक्रिया के कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने उक्त कॉलेज के संचालन पर रोक लगाने की मांग की है।

रांची शहरी क्षेत्र में डेंगू-चिकुनगुनिया की रोकथाम की पहल

स्वास्थ्यकर्मियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के शहरी क्षेत्र में डेंगू एवं चिकुनगुनिया के प्रभावी सर्विलांस एवं नियंत्रण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कम्युनिटी वॉलंटियर्स एवं फाइलेरिया यूनिट के सभी कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्रीय मलेरिया कार्यालय में हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेंगू और चिकुनगुनिया से बचाव, सोर्स रिडक्शन (मच्छरों के प्रजनन स्थलों का उन्मूलन) तथा लार्वा नाशक छिड़काव से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

इस दौरान प्रतिभागियों को बताया गया कि घरों और उसके आसपास के क्षेत्रों में जल जमाव को रोकना, कूलर, गमले, टायर एवं अन्य जल संग्रहण वाले स्थानों की नियमित सफाई करना डेंगू एवं चिकुनगुनिया की रोकथाम के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए यह भी जरूरी हो जाता है कि समुदाय को जागरूक किया जाए। समय पर संदिग्ध मामलों की सूचना उपलब्ध कराने में कम्युनिटी वॉलंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ। शाहिद करीम साबरी ने उपस्थित कर्मचारियों से कहा कि डेंगू एवं चिकुनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम में सामुदायिक सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लोगों को जागरूक करने एवं नियमित रूप से सोर्स रिडक्शन गतिविधियों को सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

इल प्रशिक्षण में लार्वा नाशक छिड़काव की तकनीकों, सर्विलांस की प्रक्रिया, संदिग्ध मरीजों की पहचान एवं रिपोर्टिंग प्रणाली पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद आमजन से अपील की। उन्होंने कहा कि वे अपने घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें। साथ ही डेंगू एवं चिकुनगुनिया से संबंधित किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

चतरा में गरजे आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो कहा,मजबूत संगठन ही जीत की सबसे बड़ी गारंटी

संवाददाता

चतरा : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो सोमवार को चतरा पहुंचे। उनके आगमन पर जिलाध्यक्ष शिवलाल दांगी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डीएमएफटी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बीएलए-2 कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे सैकड़ों कार्यकताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया। पार्टी पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया, वहीं कार्यकताओं ने जोशीले नारों के साथ उनका स्वागत किया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकताओं और मजबूत बूथ संगठन में निहित होती है। उन्होंने बीएलए कार्यकताओं से मतदाता सूची संबंधी कार्यों में पूरी सक्रियता दिखाने तथा गांव-गांव जाकर आम लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना ही पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कार्यकताओं से संगठन विस्तार अभियान को गति देने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा प्रत्येक बूथ पर मजबूत टीम तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी राजनीतिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना केवल एकजुट, अनुशासित और सक्रिय संगठन ही कर सकता है।

सम्मेलन के दौरान जिले की स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल संकट, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं, भ्रष्टाचार सहित स्थानीय जनसरोकार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकताओं ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं से शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराया।कार्यक्रम में पार्टी के जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे सम्मेलन के दौरान संगठनात्मक मजबूती, जनसंपर्क अभियान और आगामी चुनावी रणनीति को लेकर कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

लावालौंग में पुलिस का बड़ा एक्शन

महिला के घर से 722 ग्राम सूखी अफीम बरामद

संवाददाता

चतरा : जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत लावालौंग थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने लावालौंग थाना क्षेत्र के बुलबुल गांव में छापेमारी कर एक महिला के घर से 722 ग्राम सूखी अफीम बरामद की है। बरामदगी के बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,19 जुलाई को सूचना प्राप्त हुई थी कि बुलबुल गांव निवासी सकुन्ती देवी, पति बासुदेव गंझू,अपने घर में बिक्री के उद्देश्य से सूखी अफीम छिपाकर रखी हुई हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चतरा के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। अभियान का नेतृत्व सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाउसाहेब ने किया।

छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने सकुन्ती देवी के घर की तलाशी ली, जहां से एक स्टील के कनस्तर में रखी 722 ग्राम सूखी अफीम बरामद हुई। तलाशी के दौरान बैंक ऑफ इंडिया का एक पासबुक भी जब्त किया गया, जिसे जांच के लिए अपने कब्जे में लिया गया है।

इस मामले में लावालौंग थाना कांड संख्या 49/2026 दिनांक 20 जुलाई 2026 को दर्ज करते हुए एनडीपीएस एक्ट की धारा 18(सी), 27(ए) एवं 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुट गई है और यह भी जांच की जा रही है कि बरामद अफीम की खरीद-बिक्री में अन्य लोगों की संलिप्तता तो नहीं है।छापेमारी अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाउसाहेब, पुलिस अवर निरीक्षक विधायक प्रसाद यादव तथा लावालौंग थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहें।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

एसआईआर से किसी पात्र मतदाता का नाम नहीं हटने देंगे: के. राजू

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के। राजू ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस पूरी तरह गंभीर है और किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से बिना उचित कारण हटने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अन्य राज्यों की तरह झारखंड में भी मतदाता सूची से नाम हटाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस का हर कार्यकर्ता इस प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए है। सोमवार को मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं सोशल मीडिया विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए के। राजू ने कहा कि कांग्रेस पिछले कई महीनों से एसआईआर अभियान पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने 21 हजार से अधिक बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास लोकतंत्र को मजबूत करने का रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ही मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की थी, ताकि युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने युवाओं को मतदान का अधिकार दिलाया, वही आज प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस विधायकों ने चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

रांचीः झारखंड कांग्रेस प्रभारी के। राजू और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत गणना फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिनों तक बढ़ाने की मांग की है। इस संबंध में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से चुनाव आयोग को एक आधिकारिक ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि मतदाताओं, बूथ स्तर के एजेंटों, जनप्रतिनिधियों और फील्ड कर्मियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कई व्यावहारिक और व्यवस्थागत समस्याओं के कारण बड़ी संख्या में पात्र मतदाता अब तक गणना फॉर्म जमा नहीं कर पाए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड में कुल 2।64 करोड़ मतदाताओं में से अब तक केवल 82।08 प्रतिशत मतदाताओं की पैरेंटल मैपिंग हो पाई है। करीब 47।41 लाख मतदाता अभी भी बिना मैपिंग के हैं, जिनमें अधिकांश अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट (एएसडीडी) श्रेणी में शामिल हैं। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज इलाकों में भी कई मतदाता पलायन, रोजगार, बीमारी और अन्य कारणों से इस प्रक्रिया से वंचित रह गए हैं। पार्टी के अनुसार, 17 जुलाई 2026 तक राज्य में करीब 1.51 करोड़ गणना फॉर्म ही डिजिटाइज हो सके हैं, जबकि लगभग 1.13 करोड़ फॉर्म अब भी लंबित हैं। पांच विधानसभा क्षेत्रों में ही 14।39 लाख से अधिक फॉर्म का डिजिटाइजेशन बाकी है।

नव-चयनित रांची जिला अध्यक्ष ने जयराम से की शिष्टाचार मुलाकात

संगठन विस्तार एवं जनसरोकारों के मुद्दों पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

संवाददाता

रांची : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा राज्यभर में संगठन के पुनर्गठन एवं विस्तार का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में आज बुधवार को रांची के नव-चयनित जिला अध्यक्ष गुना भगत ने केंद्रीय अध्यक्ष एवं डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो से उनके सरकारी आवास रांची पर शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें एक पुस्तक भेंट की।

मुलाकाती के दौरान रांची जिले के संगठनात्मक विस्तार, सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, अधिक से अधिक कार्यकताओं को जोड़ने तथा जनसरोकार एवं छात्र-हित के मुद्दों पर लोकतांत्रिक आंदोलन की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गुना भगत ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा एवं संगठन के सिद्धांतों के अनुरूप निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकताओं के सहयोग से रांची जिले में संगठन को और अधिक मजबूत एवं जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गुना भगत पूर्व विधानसभा चुनाव में संगठन के प्रत्याशी भी रह चुके हैं।

आज मंगलवार को मुलाकात के दौरान पंचम एक्का, मनीष साहू सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

चतरा में संदेहास्पद स्थिति में मिला युवक का शव

चतरा : जिले के वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत घंघरी इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब चतरा-डोभी मुख्य मार्ग (एनएच-22) के किनारे एक युवक का शव संदेहास्पद स्थिति में बरामद हुआ। मृतक की पहचान घंघरी गांव के ही मुकेश यादव(42 वर्ष) पिता महाबीर यादव के रूप में हुई है। मौके से पुलिस ने युवक की बाइक भी जब्त की है। शव मिलने की खबर जैसे ही गांव में फैली, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताते हुए शव के साथ घंघरी में एनएच-22 को पूरी तरह जाम कर दिया। इस जाम के कारण चतरा से बिहार के गया और अन्य रूटों पर जाने वाले वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारी दोषियों की जल्द गिरफ्तारी, मामले की निष्पक्ष जांच की मांग पर अड़े हैं। घटना की सूचना पाते ही वशिष्ठनगर जोरी के थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाने के प्रयास में जुटे हैं। थाना प्रभारी के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मौत किन परिस्थितियों में हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर संभावित पहलू को ध्यान में रखकर मामले की सघन जांच कर रही है।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा: सीएम ने कहा

वन क्षेत्रों का करें टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार

संवाददाता

रांची: विभागीय समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के कामकाज को लेकर बैठक की।

झारखंड मंत्रालय में हुई इस बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी पी०, अनु०जनजाति, अनु०जाति कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-वन बल प्रमुख संजीव कुमार, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ रवि रंजन, पीसीसीएफ (इडी) ए० टी० मिश्रा, झारखंड जैव विविधता पर्षद के चेयरमैन विश्वनाथ शाह, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ एस०आर० नटेश, एम०डी० फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन जब्बर सिंह, एपीसीसीएफ डी० वेंकटेश वर्लु, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के सदस्य सचिव राजीव लोचन बक्शी, आरसीसीएफ दुमका आर० थंगा पांडियन, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर सचिव भोर सिंह यादव, अपर सचिव दिलीप तिर्की सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस बैठक में राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण, विकास और वैज्ञानिक प्रबंधन को नई दिशा प्रदान किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य गठन के बाद से अब तक के सभी वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड एक माह के भीतर तैयार किया जाए।

उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित हो, जिससे एक क्लिक पर पूरे राज्य के वन क्षेत्रों का अवलोकन कर उनके वास्तविक स्वरूप, संरचना और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध हो सके। इसके लिए वन क्षेत्रों के डिजिटल मैप की लेयरिंग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद वन क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। कहीं वनों का विस्तार हुआ है तो कहीं इको-टूरिज्म परियोजनाएं और गेस्ट हाउस विकसित हुए हैं। दूसरी ओर, वनों की कटाई, खनन क्षेत्रों के विस्तार तथा वन्यजीव अभयारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यानों की सीमाओं में भी बदलाव देखने को मिले हैं। ऐसे में वन क्षेत्रों का अद्यतन एवं वैज्ञानिक डिजिटल दस्तावेज तैयार करना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि वनों की सुरक्षा और उनका सतत विकास राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाने तथा सूखे एवं अनुपयोगी पेड़ों की वैज्ञानिक तरीके से कटाई की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। जिससे अधिक से अधिक नए पौधे लगाए जा सकें और हरित आवरण में निरंतर वृद्धि हो।

झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं- सीएम

इस बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वन क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से बीज गिराकर वन क्षेत्रों के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने, जंगली हाथियों के हमलों से मृत व्यक्तियों के आश्रितों तथा क्षतिग्रस्त फसल एवं घरों के मुआवजा भुगतान में तत्परता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं। इस निमित्त एक बेहतर प्लान के साथ आगे बढ़ें। वन विभाग तथा पर्यटन विभाग समन्वय स्थापित कर इको टूरिज्म के विकास को गति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पौधरोपण केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि ऐसे वृक्षों का चयन किया जाए, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पशुओं की जरूरतों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने वन एवं गैर-वन क्षेत्रों में महुआ, जामुन, करंज, पलाश, कुसुम, बैर तथा तसर उत्पादन के लिए उपयोगी अर्जुन जैसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर रोपण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये वृक्ष न केवल जैव विविधता को समृद्ध करेंगे, बल्कि ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। महुआ, जामुन, कटहल, आवला, चिरौंजी और बैर जैसे फलदार वृक्ष स्थानीय लोगों को पोषण एवं अतिरिक्त आय देंगे, जबकि पलाश, कुसुम और अर्जुन जैसे वृक्ष लाह एवं तसर उद्योग को नई गति प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की बड़ी आबादी ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में निवास करती है। इसलिए पौधरोपण की योजना ऐसी होनी चाहिए, जिससे आम लोगों को वन उपज का प्रत्यक्ष लाभ मिले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अनुपयोगी वृक्ष लगाने का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि ऐसे वृक्ष न तो पशुओं के लिए उपयोगी होते हैं और न ही स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाते हैं। इसलिए पौधरोपण की पूरी रणनीति स्थानीय जरूरतों और आर्थिक उपयोगिता को ध्यान में रखकर तैयार की जाए।

एक पेड़ लगाएं, पांच यूनिट मुफ्त बिजली पाएं योजना पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पर्यावरण संरक्षण को शहरी विकास से जोड़ते हुए कहा कि शहरों को बचाने के लिए भी पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा साथ ही राज्य सरकार द्वारा ₹पेड़ लगाओ, फ्री बिजली पाओ₹ योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिकाधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत एक पेड़ लगाने पर पांच यूनिट बिजली निः शुल्क प्रदान किये जाने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से जुड़े वन पट्टा के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को बिना अनावश्यक विलंब के वन पट्टों का वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें वन पट्टा का लाभ समय पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वन विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं विभाग द्वारा संचालित सभी वन योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इनका लाभ स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि वन संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पर्यटन और पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूती मिल सके।

बैठक में मुख्यमंत्री ने काजू, बैम्बू सहित विभिन्न व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया।उन्होंने अधिकारियों को बड़े भू-भागों की पहचान कर, वहां व्यापक स्तर पर काजू एवं बैम्बू के पौधे लगाने और राज्य में काजू उत्पादन की संभावनाओं को विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों के लिए आय के नए स्रोत सृजित हो सकें। उन्होंने बांस (बैम्बू) के व्यापक रोपण और उसके सुनियोजित विकास पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बांस आधारित उद्योगों और बैम्बू क्राफ्ट को बढ़ावा देकर राज्य में बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के अवसर विकसित किए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पारंपरिक हस्तशिल्प को नया बाजार भी मिलेगा। शहरी क्षेत्रों के पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने अकाशिया सहित अन्य छायादार पेड़-पौधों का बड़े पैमाने पर रोपण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शहरों में हरित आवरण बढ़ाने, प्रदूषण कम करने और लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थित शहरी पौधरोपण अभियान चलाया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य में अधिकाधिक पौधरोपण कर हरीयाली लाने, पर्यावरणीय संतुलन बनाने के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण, ग्रामीण समृद्धि, रोजगार सृजन और सतत विकास के बीच संतुलन स्थापित करना है। इसी सोच के अनुरूप उपयोगी, स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल और आर्थिक दृष्टि से लाभकारी पौधों को प्राथमिकता देकर झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं।

वन प्रमंडल पदाधिकारी से सीएम ने की सीधा संवाद

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड मंत्रालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी जिलों के वन प्रमंडल पदाधिकारियों से ऑनलाइन माध्यम से सीधा संवाद स्थापित कर वन विभाग की योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने दुमका, जामताड़ा और कोडरमा के वन प्रमंडल पदाधिकारियों से सीधे बातचीत कर उनके जिलों में वनपट्टा वितरण की वर्तमान कार्य प्रगति, काजू, बैम्बू सहित अन्य पौधरोपण कार्य, इको-टूरिज्म विकास, अन्य प्रमुख योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि प्रत्येक योजना का परिणाम जनहित और वन संरक्षण के लक्ष्यों के अनुरूप दिखाई देना चाहिए।

हर किसी के लिए शिक्षा जरूरी :रोहित शारदा

संवाददाता

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के द्वारा निवारणपुर स्थित मुख बाधिर (गूंगा)स्कूल में बच्चों के बीच कॉफी पेंसिल , इरेजर, कटर, ड्राईंग पेंसिल का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं शाखा के पूर्व अध्यक्ष रोहित शारदा ने इस अवसर पर कहा कि इन बच्चों के बीच आकर समय बिताना सौभाग्य की बात है साथ ही साथ इनको देशभक्ति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का महत्व पढ़ाई का महत्व बिजली पानी को कैसे बचाया जाए इसकी जानकारी शिक्षक के माध्यम से बच्चों तक पहुंचाई। कॉपी पेंसिल पा कर बच्चों में खुशी झलक रही थी। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष बलवीर जैन ने आगे इन बच्चों के बीच ड्राइंग खेलकूद इत्यादि प्रतियोगिता का आयोजन की बात कही। वर्तमान अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया ने सभी अतिथियों का पुष्प कुछ देकर स्वागत किया स्कूल के प्रधानाध्यापक एवं अन्य शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन सचिव राघव शारदा ने किया। एवं मंच का संचालन कोषाध्यक्ष श्रीरामचंद्र अग्रवाल ने किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष रोहित शारदा ,बालवीर जैन, अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया सचिव राघव शारदा कोषाध्यक्ष श्रीरामचंद्र अग्रवाल संयोजक आशीष मंगल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बीएयू पशुपतिनाथ मंदिर में हुई महाआरती

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुपतिनाथ मंदिर में प्रत्येक सोमवार की भांति भगवान शिव की महाआरती श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुई। सायंकाल आयोजित इस विशेष आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर परिसर ह्यहर-हर महादेवह्ल और ह्यॐ नमः शिवायह्ल के जयघोष से भक्तिमय हो उठा।

मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सुनील कुमार पांडेय ने मंत्रों और रुद्राष्टकम के वाचन के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। बीस जुलाई की महाआरती के लाभार्थी रूपलाल रविदास एवं परिवार ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक कर और बेलपत्र एवं भोग अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की प्रार्थना की। अनुष्ठान में उनके परिवार से

सावित्री देवी, प्रवीण कुमार, प्रताप कुमार, प्रशांत कुमार, विशाल कुमार भी उपस्थित थे।महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ एके श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आस्था, एकता और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा मिलता है। पूरे आयोजन में उत्साहपूर्ण भक्तिमय वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर डॉ एके चक्रवर्ती, डॉ अरविन्द कुमार सिंह, डॉ सुशील कुमार पांडेय, डॉ शैलेंद्र कुमार रजक, रीना गोस्वामी, अभिषेक रंजन, देव्यांश पाण्डेय, यशोहरि पाण्डेय, इन्द्रनाथ मुंडा सहित बहुत से श्रद्धालु उपस्थित थे।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम को समर्पित किया गया सेवा वाहन

रांची। पुंदाग स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य प्रेम सभागार) में निवासरत निराश्रितजनों की सेवा को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। आश्रम को मनीष कुमार साहु (निदेशक, बाबा एग्रो फूड लिमिटेड) के सौजन्य से प्रदत्त मारुति सुजुकी ईको सेवा वाहन का लोकार्पण एवं उद्घाटन संत शिरोमणि श्री श्री 108 स्वामी श्री सदानंद जी महाराज द्वारा श्रीफल फोड़कर एवं वैदिक मंगलकामनाओं के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आश्रम परिसर में श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनुपम वातावरण देखने को मिला। संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज ने सेवा वाहन का शुभारंभ करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। जो व्यक्ति समाज के निराश्रित, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए अपना तन, मन और धन समर्पित करता है, वह वास्तव में प्रभु की आराधना करता है। उन्होंने कहा कि यह सेवा वाहन आश्रम के सेवा कार्यों को नई गति प्रदान करेगा तथा जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुँचाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। गुरुदेव ने इस पुनीत सेवा कार्य के लिए मनीष कुमार साहु एवं उनकी धर्मपत्नी राखी साहु को विशेष आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, विजय अग्रवाल,राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,निर्मल जालान, निर्मल छावनिका,शिवभगवान अग्रवाल,पंकज पोद्दार,रंजीत गाड़ोदिया,मनीष साहू,संजय सर्राफ,नंदकिशोर चौधरी, मधुसूदन जाजोदिया,नवल अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल, मनीष जालान,पुजारी अरविंद पांडे,विशाल जालान,प्रभास गोयल,दिलीप अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल,जगदीश अग्रवाल,महेंद्र अग्रवाल, सुशील नारसरिया,अरुण जाजोदिया,मनीष सोनी,शिव अग्रवाल,विष्णु सोनी,ज्ञान प्रकाश शर्मा,सुरेश भगत, तुषार अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रक्तदान और रक्त विकारों के मुद्दे पर कांग्रेस प्रभारी को सौंपा गया ज्ञापन

रांची: लहू बोलेगा रक्तदान संगठन, रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, हीमोफीलिया और अप्लास्टिक एनीमिया पीड़ित एसोसिएशन के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को झारखंड कांग्रेस प्रभारी के। राजू को तीन सूत्री ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने रक्तदान व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा रक्त विकारों से पीड़ित मरीजों की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि 9 दिसंबर 2025 को झारखंड विधानसभा में रक्तदान व्यवस्था और रक्त विकारों से जुड़े मुद्दों पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने एक माह के भीतर समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन आठ माह बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

बड़ा तालाब के पास लूटकांड मामले में 2 नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

रांची : जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बड़ा तालाब के पास 17 जुलाई को हुए लूटकांड मामले में पुलिस ने सफलता हासिल की है। इस मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में दो नाबालिग हैं। जबकि एक अपराधी की पहचान हिंदपीढ़ी निवासी मो। अमन उर्फ मोटेन बोस के रूप में हुई है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से लूटे गए सामान के अलावा एक एन्ड्रायड मोबाइल भी बरामद किया गए है। पुलिस ने लोगों को सचेत रहने की सलाह दी है साथ ही आपराधिक मामले की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की भी अपील की है।

लोहरदगा पुलिस ने हत्या की साजिश नाकाम की, हथियार के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

रांची : लोहरदगा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या की एक साजिश को समय रहते विफल कर दिया। पुलिस ने अवैध हथियार के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि उनका एक साथी मौके से भागने में सफल रहा। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की जा रही एक अल्टो कार बरामद की गई है।

पुलिस को 20 जुलाई की सुबह सूचना मिली थी कि नीले रंग की एक अल्टो कार से तीन युवक हथियार लेकर सोबरनटोली से जुरिया की ओर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे हैं। सूचना मिलते ही लोहरदगा थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

दोपहर करीब 12 बजे सोबरनटोली में पुलिस ने संदिग्ध अल्टो कार को घेर लिया। पुलिस को देखते ही कार की पिछली सीट पर बैठा एक युवक कूदकर गलियों के रास्ते फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने कार में मौजूद दो युवकों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुमला जिले के निवासी हुसैन अंसारी और लोहरदगा निवासी अजय साहू के रूप में हुई है। फरार आरोपी की पहचान गुमला के लोंगा निवासी संजय लोहरा के रूप में की गई है।

तलाशी के दौरान अजय साहू के पास से एक 7.65 एमएम की देशी पिस्टल, एक मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे एक व्यक्ति की हत्या करने की योजना बना रहे थे, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से उनकी साजिश विफल हो गई।

जांच में यह भी पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी अजय साहू के खिलाफ पहले से अपहरण, डकैती और दुष्कर्म जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। वहीं फरार आरोपी संजय लोहरा पर भी लूट और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

ई० अति-अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० : RDSD/RAMGARH/08/2026-27

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :– DMFT मद अन्तर्गत।

क्र	आईडेन्टीफिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	RDSD/RAMGARH/ 08/2026-27	Ramgarh	Construction of PCC Road from Ramgarh College old gate to H/O Saheb Mahto at Ramgarh College, Ramgarh.	785700	16000	1250	03 (तीन माह)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 24.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 24.07.2026 से 31.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 03.08.2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :– 7488152930
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

PR 385378 Rural Development (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भारतीयों की मौत पर सन्नाटा क्यों? ईरान के लिए मुखर रहने वालों से देश पूछ रहा है सवाल ?

भारत और ईरान के संबंध सदियों पुराने रहे हैं। सांस्कृतिक विरासत, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, चाबहार बंदरगाह और सामरिक सहयोग जैसे अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों ने एक-दूसरे का साथ दिया है। हालांकि यह भी सामने आया है कि इस्लाम के नाम पर ईरान ने हमेशा पाकिस्तान का साथ निभाया है, लेकिन अपने व्यापारिक हितों को देखते हुए वह आर्थिक मामलों में भारत के साथ खड़ा दिखा है। यही कारण भी रहा जो भारत ने हमेशा यह साबित किया कि वह अपने मित्र देशों का संकट की घड़ी में भी साथ देता है। आज जब ह्यहॉर्मुज जलडमरूमध्यह्न में भारतीय नाविकों की मौत और कई भारतीयों के घायल होने की घटना सामने आई है, तब यह प्रश्न पूरे देश के सामने खड़ा है कि क्या भारत के इस मित्रता पूर्ण व्यवहार एवं सम्मान का मान ईरान ने भी रखा है? विदेश मंत्रालय ने स्वयं स्वीकार किया है कि पश्चिम एशिया में समुद्री जहाजों पर हाल में हुए हमलों में सबसे अधिक भारतीय नागरिक प्रभावित हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सप्ताह हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो व्यापारी जहाज, ह्यएमटी अल बहियाहह्न और ह्यएमटी मोम्बासाह्न हमले का शिकार बने। इन दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे। ह्यएमटी अल बहियाहह्न पर सवार 12 भारतीयों में से एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ। ह्यएमटी मोम्बासाह्न पर सवार 18 भारतीयों में से 9 भारतीय घायल हुए, जिनमें दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है, वह जीवित भी बचेंगे, इसमें संदेह है। हालांकि भारत सरकार ने तत्काल नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के मिशन उप प्रमुख को विदेश मंत्रालय तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इन हमलों की तीखी निंदा की। यदि भारत जैसा संतुलित कूटनीतिक देश किसी मित्र राष्ट्र के राजनयिक को तलब करता है, तो यह अत्यंत गंभीर संदेश होता है। पर क्या इससे भारत की वह जनता समझेगी, जो कल तक ईरान के समर्थन में सड़कों पर उतर रही थी, चंदा इकट्ठा कर मदद के नाम पर ईरान भेज रही थी? हकीकत में तो आज यह सभी के लिए याद करना आवश्यक है कि भारत ने ईरान के लिए क्या किया। जब ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, युद्ध और आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने सिर्फ उसके पक्ष में जहां संभव रहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बयान जारी किए, साथ ही मानवीय सहायता का बड़ा अभियान भी चलाया। जीवनरक्षक दवाइयाँ, चिकित्सा उपकरण और आवश्यक मेडिकल सामग्री, वैध और कानूनी माध्यमों से ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी तक पहुँचाई गईं। जिसके परिणाम में ईरान सरकार और उसके राजदूत ने सार्वजनिक रूप से भारत सरकार तथा भारतीय जनता के इस सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। यानी भारत ने सहानुभूति का प्रदर्शन करने के स्थान पर संकट की घड़ी में ईरान की वास्तविक मदद की। ईरान के पक्ष में जब भारत में रह रहे शिया मुसलमान धन इकट्ठा कर रहे थे, तब कश्मीर घाटी से लेकर मेरठ, लखनऊ, अमरोहा, हैदराबाद, मुंबई, कारगिल और अन्य क्षेत्रों से नकद राशि के साथ-साथ सोने के आभूषण, चांदी के बर्तन और अन्य मूल्यवान वस्तुएँ ईरान को आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गईं। यानी जो भी ईरान के पक्ष में संभव हो सकता था, वह सभी कुछ भारत सरकार ने अपने स्तर पर किया। जहां तक कि भारत के तमाम गैर मुसलमानों ने भी शियाओं के आह्वान पर यथासंभव मदद अपनी ओर से मुहैया कराई। अमेरिकी प्रतिबंधों और वैश्विक दबाव के बावजूद भारत ने चाबहार बंदरगाह परियोजना को कभी नहीं छोड़ा। यह परियोजना ईरान की अर्थव्यवस्था और उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जब अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ ईरान से दूरी बना रही थीं, तब भारत ने निवेश जारी रखा। यह कदम भरोसे और रणनीतिक साझेदारी के आधार पर उठाया गया, किंतु आज सवाल जवाबदेही का है। वस्तुतः जब भारतीय नागरिकों की जान जाती है, तब भारत को यह पूछने का पूरा अधिकार है कि ऐसी घटनाएँ क्यों हुईं?यदि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, यदि नागरिक जहाजों पर हमले होते हैं और उनमें सबसे अधिक भारतीय प्रभावित होते हैं, तो सिर्फ ₹दुख व्यक्त₹ कर देना पर्याप्त नहीं हो सकता। ऐसे में भारत के प्रत्येक नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ईरान क्या ठोस कदम उठा रहा है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत विश्व के सबसे बड़े समुद्री मानव संसाधन प्रदाताओं में शामिल है। हजारों भारतीय व्यापारी जहाजों पर कार्य करते हैं। वे किसी सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं होते। वे वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं। ऐसे निर्दोष नागरिकों का किसी भी संघर्ष में शिकार बनना अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून और मानवीय सिद्धांतों, दोनों के विपरीत है। यदि सबसे अधिक भारतीय नाविक ही प्रभावित हो रहे हैं, तो यह भारत के लिए स्वभाविक तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन गया है। अब स्वभाविक है कि इस पूरे घटनाक्रम ने देश के भीतर भी एक गंभीर बहस छेड़ दी है। जैसा कि बताया गया, जब ईरान संकट में था, तब भारत में अनेक स्थानों पर उसके समर्थन में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर अभियान चलाए गए। मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून की दुहाई दी गई। करोड़ों रुपये का चंदा जुटाया गया। लोगों ने अपने आभूषण तक दान कर दिए, किंतु आज जब एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हुई, अनेक भारतीय घायल हुए और भारत सरकार को स्वयं ईरानी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराना पड़ा, तब वही मुखर आवाजें शांत हैं! क्या भारतीय नागरिक का जीवन किसी अन्य देश के नागरिक से कम मूल्यवान है? क्या मानवाधिकारों की आवाज तब उठेगी, जब पीड़ित कोई दूसरा होगा? क्या संवेदना भी वैचारिक पसंद और नापसंद देखकर व्यक्त की जाएगी? वस्तुतः ये प्रश्न उन सभी लोगों के लिए हैं जो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर नैतिकता और मानवाधिकार की बात करते हैं। उन्हें भी आज यह समझना चाहिए कि यदि सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो भारतीय नागरिक के लिए भी वही संवेदना दिखाई देनी चाहिए। यहां केंद्र की मोदी सरकार से भी ईरान के प्रति कड़ा रुख अपनाने का आग्रह है। बेशक; भारत की विदेश नीति संतुलित है। भारत अमेरिका से भी संबंध रखता है, रूस से भी, इजराइल से भी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह किसी देश को ये छूट दे कि वह उसके नागरिकों की हत्या करेगा या उसके यहां हिंसा एवं हत्या होंगी । अब यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि ईरान भी उसी स्पष्टता से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराए, जिम्मेदारी तय करे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस एवं विश्वसनीय कदम उठाए। इसके साथ ही भारत में रह रहे सभी शिया मुसलमानों एवं उन सभी से जो कल तक ईरान के साथ खड़े दिखे, उन सभी से अपील है कि वह भारतीयों पर ईरान के समुद्री क्षेत्र में हो रही हिंसात्मक कार्रवाइयों का मुखर विरोध करें।

केंद्र सरकार भी ध्यान रखे, किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य उसके नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान होता है। यदि भारतीय नागरिकों का रक्त बहता है, तो भारत का कठोर प्रश्न पूछना उसका अधिकार से अधिक उसका कर्तव्य भी है। मित्रता सम्मान पर टिकी होती है और सम्मान की पहली शर्त आज भारत-ईरान संबंधों के बीच यही है कि हर देशवासी, भारतवासी का जीवन सर्वोपरि है।

संयुक्त परिवार से एकल परिवार तक : क्या भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति खो रहा है?

यह परिवार, परंपरा, संस्कार और पीढ़ियों की निरंतरता से बनी हुई जीवन-व्यवस्था है। भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसका परिवार रहा है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित इकाई नहीं, बल्कि वह संस्था है जिसमें जीवन के मूल्य, आचरण की मयार्दा, संबंधों का अनुशासन, कर्तव्य की भावना, त्याग की परंपरा और संस्कृति की धारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रवाहित होती रही है।

कैलाश चन्द्र

संयुक्त परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसमें बच्चे केवल अपने माता-पिता के साथ नहीं, बल्कि भाई-बहनों, चचेरे-ममेरे भाई-बहनों, दादा-दादी तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते हुए जीवन जीना सीखते हैं। जब तीन-चार बच्चे एक साथ खेलते हैं, साथ बैठकर भोजन करते हैं, अपने खिलौने और वस्तुएँ बाँटते हैं, छोटे-बड़े का ध्यान रखते हैं और छोटी-छोटी बातों पर रूठते-मनाते हैं, तब उनके भीतर बिना किसी औपचारिक शिक्षा के सामाजिक जीवन के संस्कार विकसित होने लगते हैं। वे समझते हैं कि जीवन केवल अपनी इच्छाओं की पूर्ति का नाम नहीं, बल्कि दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का भी नाम है। परिवार उन्हें सहयोग, सहिष्णुता, त्याग, धैर्य, अनुशासन, साझेदारी और परस्पर उत्तरदायित्व का व्यावहारिक प्रशिक्षण देता है। इसी वातावरण में परस्पर स्नेह, आत्मीयता, अपनापन और एक-दूसरे का सहारा बनने की भावना स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। मिलकर रहना, मिलकर काम करना, बाँटकर खाना और सुख-दुःख में साथ खड़ा रहना केवल नैतिक उपदेश नहीं रह जाते बल्कि दैनिक जीवन का सहज व्यवहार बन जाते हैं। यही अनुभव आगे चलकर सामाजिक समरसता, सद्भाव, सह-अस्तित्व और राष्ट्रीय एकात्मता की आधारशिला बनते हैं। इस दृष्टि से परिवार वास्तव में समाज की पहली पाठशाला है, जहाँ अच्छे नागरिक ही नहीं, संवेदनशील और उत्तरदायी मनुष्य भी तैयार होते हैं।

भारत की सभ्यता को यदि कुछ शब्दों में समझाना हो तो कहा जा सकता है कि यह केवल भूगोल, राजसत्ता या अर्थव्यवस्था से निर्मित राष्ट्र नहीं है; यह परिवार, परंपरा, संस्कार और पीढ़ियों की निरंतरता से बनी हुई जीवन-व्यवस्था है। भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसका परिवार रहा है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित इकाई नहीं, बल्कि वह संस्था है जिसमें जीवन के मूल्य, आचरण की मयार्दा, संबंधों का अनुशासन, कर्तव्य की भावना, त्याग की परंपरा और संस्कृति की धारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रवाहित होती रही है। यही कारण है कि भारतीय परिवार व्यवस्था को केवल सामाजिक ढाँचा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का जीवंत आधार माना गया है। आज यह आधार एक गंभीर संक्रमण से गुजर रहा है। संयुक्त परिवारों का स्थान तेजी से एकल परिवार लेते जा रहे हैं। शहरीकरण, रोजगार, उपभोक्तावादी जीवन-दृष्टि, निजी स्वतंत्रता की बढ़ती आकांक्षा और बदलती जीवन-शैली ने परिवार की संरचना को बदल दिया है। यह परिवर्तन केवल रहने की व्यवस्था का परिवर्तन नहीं है; यह भारतीय समाज की आत्मा, उसकी सांस्कृतिक निरंतरता और पीढ़ियों के बीच जीवित संवाद पर भी गहरा प्रभाव डाल रहा है। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं है कि संयुक्त परिवार बेहतर है या एकल परिवार, बल्कि यह है कि क्या भारत अपनी परिवार-केन्द्रित सांस्कृतिक शक्ति को खोता जा रहा है? भारतीय परंपरा में संयुक्त परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं था। वह जीवन की सामूहिक साधना थी। उसमें दादा-दादी का अनुभव, माता-पिता का परिश्रम, चाचा-चाची का सहयोग, भाई-बहनों का स्नेह और बच्चों की किलकारियाँ मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करते थे जिसमें व्यक्ति अकेला नहीं पड़ता था। जीवन की कठिनाइयाँ साझा होती थीं, सुख-दुःख का भार बँटता था, निर्णयों में अनुभव का संतुलन होता था और बच्चों को स्वाभाविक रूप से अनेक संबंधों के बीच जीना सीखने का अवसर मिलता था। संयुक्त परिवार व्यक्ति को यह सिखाता था कि जीवन केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि दायित्व, अनुशासन और सहअस्तित्व का भी नाम है।

इसके विपरीत एकल परिवार आधुनिक जीवन की अनिवार्यता के रूप में सामने आया। नौकरी, स्थानांतरण, महानगरीय जीवन, सीमित संसाधन और निजी जीवन की बढ़ती चाह ने इसे सामान्य बना दिया। यह स्वीकार करना होगा कि एकल परिवार के अपने कुछ व्यावहारिक लाभ हैं। उसमें निर्णय लेने की सुविधा होती है, निजता अधिक होती है, आर्थिक प्रबंधन सरल होता है और पारिवारिक हस्तक्षेप अपेक्षाकृत कम होता है। परंतु यही एकल परिवार जब भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से कट जाता है, तब वह सुविधा का ढाँचा तो बनता है, लेकिन संस्कार का केंद्र नहीं रह पाता। परिणामस्वरूप पति-पत्नी पर मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ता है, बच्चों का सामाजिक और भावनात्मक विकास सीमित होता है, और बुजुर्ग जीवन के सबसे संवेदनशील काल में अकेलेपन और उपेक्षा का सामना करते हैं।

यहीं भारतीय परिवार व्यवस्था की सांस्कृतिक शक्ति का प्रश्न सबसे महत्त्वपूर्ण हो जाता है। भारतीय परिवार की असली शक्ति उसकी संख्या या आकार में नहीं, बल्कि उसके संस्कार-तंत्र में रही है। यह परिवार ही था जिसने बच्चे को बोलना और चलना ही नहीं, बल्कि बड़ों का सम्मान करना, छोटे का संरक्षण करना, अतिथि का आदर करना, भोजन को प्रसाद की दृष्टि से देखना, पर्व-त्योहारों के माध्यम से सामूहिकता जीना, संकट में धैर्य रखना और व्यक्तिगत इच्छा से ऊपर परिवार के हित को रखना सिखाया। भारत में विद्यालय ज्ञान दे सकता है, राज्य अधिकार दे सकता है, बाजार सुविधा दे सकता है; पर चरित्र, संवेदना और सांस्कृतिक आत्मा देने का कार्य मुख्यतः परिवार ही करता है। भारतीय परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उसने पीढ़ियों के बीच संबंधों को केवल जैविक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक संबंध के रूप में देखा। दादा-दादी और नाना-नानी केवल घर के बुजुर्ग नहीं होते थे; वे परिवार की स्मृति, अनुभव, लोकज्ञान, धार्मिक आस्था और जीवन-व्यवहार के जीवंत स्रोत होते थे। माता-पिता वर्तमान के संघर्ष और उत्तरदायित्व के प्रतीक होते थे। बच्चे भविष्य की संभावना होते थे। जब ये तीनों पीढ़ियाँ एक सूत्र में बंधी रहती थीं, तब परिवार केवल निवास नहीं रहता था, वह एक जीवित परंपरा बन जाता था। आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि पीढ़ियों के बीच संवाद का तंतु टूट रहा है। बच्चे डिजिटल संसार में अधिक हैं, युवा पीढ़ी रोजगार और प्रतिस्पर्धा के दबाव में है, और बुजुर्ग अक्सर उस घर में भी अप्रासंगिक बना दिए जाते हैं जिसे उन्होंने खड़ा किया। परिवारों में साथ बैठने की परंपरा घट रही है, साझा भोजन दुर्लभ होता जा रहा है, घरों से कथा, संस्कार और पारिवारिक स्मृति का स्वर मंद पड़ रहा है। इसका परिणाम केवल इतना नहीं कि बुजुर्ग अकेले हो रहे हैं; इससे अगली पीढ़ी अपनी जड़ों, अपनी सांस्कृतिक स्मृति और अपने जीवन-मूल्यों से भी कटती जा रही है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि संयुक्त परिवार का अंध-रोमानीकरण भी उचित नहीं है। हर संयुक्त परिवार आदर्श नहीं था, और हर एकल परिवार विफल नहीं है। संयुक्त परिवारों में भी संपत्ति-विवाद, हस्तक्षेप, असमानता और तनाव रहे हैं।

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए।

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा- बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी। यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए। सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा। फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों- शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है। निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं

सूर्य का कर्क राशि में प्रवेश, आज से शुरू होगा दक्षिणायन का शुभ काल

आज यानी की 16 जुलाई 2026 को कर्क संक्रांति का पर्व मनाया जा रहा है। हिंदू धर्म में कर्क संक्रांति का विशेष महत्व होता है। इस दिन सूर्य देव मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करते हैं। वहीं आज से ही दक्षिणायन की शुरूआत भी होती है। जोकि 6 महीने तक चलता है। इस मौके पर पूजा-पाठ और स्नान-दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कर्क संक्रांति का मुहूर्त, स्नान-दान और महत्व के बारे में...

शुभ मुहूर्त

धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक कर्क संक्रांति के दिन स्नान-दान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से तन और मन दोनों की शुद्धि होती है। वहीं दान करने से जातक के जीवन की निगेटिविटी दूर होती है और सुख-समृद्धि का मार्ग खुलता है।

आज स्नान-दान का शुभ मुहूर्त सुबह 04:12 मिनट से लेकर 04:53 मिनट तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:06 मिनट से लेकर 12:59 मिनट तक रहेगा। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत के लिए अभिजीत मुहूर्त बेहद उत्तम माना जाता है।

क्या दान करें

धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस दिन जरूरतमंद लोगों को भोजन, अनाज, कपड़े, गुड़ और फल का दान करना शुभ माना जाता है। इस दिन गाय को हरा चारा खिलाना, पानी रखना और पक्षियों को दाना देना पुण्यदायी माना जाता है।

पूजन विधि

सुबह जल्दी किसी पवित्र नदी में स्नान करके साफ कपड़े पहनना चाहिए।

अगर किसी पवित्र नदी में स्नान करना संभव न हो, तो नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए।

स्नान आदि के बाद भगवान सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करना चाहिए।

फिर भगवान विष्णु और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करना चाहिए।

टिप्स

सुबह उठते ही फीट पेन है गंभीर संकेत

क्या सुबह उठते ही जमीन पर कदम रखना आपको भयंकर दर्द देता है। तलवों में जलन, बार-बार ऐंठन, एड़ी में दर्द, झुनझुनी की समस्या बनी रहती है। यह सिर्फ थकान के संकेत नहीं हैं, बल्कि पैरों और एड़ियों में होने वाला दर्द शरीर में गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है। डॉक्टर की मानें, तो हमारा शरीर लगातार हमसे बात करता है, बस हमें शरीर की भाषा समझने की जरूरत होती है। अगर एड़ियों में दर्द बना रहता है, हड्डियों में दर्द रहता है, पैरों की मांसपेशियां दुखती हैं, तो कई बार विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी से यह समस्या हो सकती है। आमतौर पर लोग इन लक्षणों को ज्यादा चलने, उम्र बढ़ने या सामान्य थकान समझकर टाल देते हैं। आगे चलकर यह गंभीर समस्याओं में बदल सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पैरों में होने वाली यह समस्याएं किस ओर इशार करती हैं।

विटामिन डी की कमी के लक्षण

एड़ियों या पिंडलियों में लगातार दर्द या फिर असहजता बनी रहती है, तो यह विटामिन डी की कमी का संकेत हो सकता है।
शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण के लिए विटामिन डी जरूरी है। जिससे मांसपेशियां और हड्डियां मजबूत रहती हैं।
विटामिन डी की कमी होने से पैरों और टांगों की मांसपेशियों में बार-बार दर्द, कमजोरी, सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई और हड्डियों में गहरा दर्द हो सकता है।
इसकी गंभीर कमी होने से मांसपेशियों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।
विटामिन इ 12 की कमी के लक्षण
विटामिन इ 12 की नसों की सेहत और रेड ब्लड सेल्स के निर्माण के लिए जरूरी होता है। शरीर में इसकी कमी को पैरों की समस्याओं से पहचाना जा सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के बीएलओ1 के साथ बैठक

मतदाता सूची को त्रुटिरहित पारदर्शी और शतप्रतिशत प्रमाणिक बनाने के लिए सभी हितधारकों के सहयोग पर दिया विशेष बल

संवाददाता

साहिबगंजःसमाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के सफल संचालन एवं मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलओ एक के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

संबोधित करते हुए उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 30 जून 2026 से 29 जुलाईश्र2026 तक विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण व डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करने की अपील की।उपायुक्त ने बताया कि 22 जुलाई 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे सभी मतदान केन्द्रों पर बीएलओ बीएलए 2 व इएलसी के सदस्यों की तृतीय बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में प्रारूप मतदाता सूची व एएसडीएफ सूची का संयुक्त सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं से अधतन गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं। उनसे शीघ्र संपर्क कर प्रपत्र प्राप्त कर संबंधित बीएलओ के पास जमा कराने हेतु निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है। साथ ही बैठक की कार्यवाही को पूर्ण रूप से तैयार कर इसीईएलएनइटी पोर्टल पर समयबद्ध अपलोड करने का निर्देश भी दिया गया है।उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ, पारदर्शी व विश्वसनीय मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। सभी संबंधित अधिकारी बीएलओ, राजनीतिक दल आम नागरिक समन्वित प्रयासों से इस अभियान को सफल बनाएं, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो अपात्र नामों का नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दो दिवसीय बोकारो दौरे पर प्रमंडलीय आयुक्त, राजस्व संबंधी मामले को लेकर समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता

बोकारो: उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त विजय कुमार गुप्ता आज सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे। जहां जिला के वरीय अधिकारियों के द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने बोकारो डीसी कार्यालय कक्ष में बैठकर अधिकारियों के साथ राजस्व संबंधित समीक्षा बैठक की।

इस दौरान जिला और विभाग के सभी अधिकारियों से रिपोर्ट तलब किया गया। उन्होंने कहा कि जो रिपोर्ट अधिकारियों के द्वारा दिया जाएगा उसके बाद उसकी समीक्षा की जाएगी। जिला से जो भी रिपोर्ट सामने आएगा उसकी उचित फोरम पर रखने का काम किया जाएगा। इस बैठक में बोकारो डीसी सहित जिला के सभी वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इस बैठक में उपस्थित सभी विभाग के अधिकारियों को प्रमंडल आयुक्त निर्देश दिया कि सरकारी राजस्व की वसूली में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि आम जनता की परेशानियों को भी ध्यान में रखने की आवश्यकता है।

प्रमंडल के आयुक्त ने अंचल कार्यालय में रजिस्ट्री के बाद जमाबंदी में हो रही परेशानियों को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि सभी अंचल अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया है कि जो भी सरकारी निर्देश है उसका पालन किया जाए। अगर किसी भी व्यक्ति को इसमें प्रताड़ित और तंग किया जाएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी होगी।

उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कालाबाजारी रोकने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

दुमकाः झारखंड सरकार के उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने दुमका में विभागीय अधिकारी को यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि यह डिपार्टमेंट विवादों से जुड़ा रहा है, इसलिए हर कीमत पर ब्लैक मार्केटिंग रोकें और रेवेन्यू कलेक्शन टारगेट को पाने के लिए जिम्मेदारी से काम करें। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में 4600 करोड़ रुपए राजस्व संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए विभाग कार्य कर रहा है। योगेंद्र प्रसाद ने यह बातें दुमका में उत्पाद विभाग और पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कही।

अधिकारियों को दी चेतावनी

योगेंद्र प्रसाद ने बैठक में आए संथाल परगना के सभी छह जिले दुमका, देवघर, जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज के अधिकारियों को यह स्पष्ट रूप से यह चेतावनी दी है कि कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उत्पाद

विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करने, अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के विरुद्ध लगातार छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। गंगा के पानी को पाइप लाइन से लाने की योजना पर हो रहा काम मंत्री ने जानकारी दी कि गंगा के पानी को जो पाइपलाइन के जरिये लाने की योजना है, उस पर तेजी से काम चल रहा है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि जल जीवन मिशन में केंद्रांश की वजह से काफी योजना लंबित पड़ी है। केंद्र के पास हमारे विभाग का बकाया 6500 करोड़ में से, दस दिन पूर्व 116 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं जिसके कारण अब काम में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि हमने पेयजल विभाग के भी वरीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से आदेश दिया कि योजनाओं को सही ढंग से धरातल पर उतारने में अगर लापरवाही बरती जाती है तो जिला स्तर के अधिकारियों के साथ ठेकेदार के खिलाफ भी कार्रवाई करें।

एसआईआर को बनाया जा रहा है पैनिक

हेमंत सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि एसआईआर तो कई बार हुआ है लेकिन इस बार भाजपा इसे पैनिक बना रही है। वह पश्चिम बंगाल और बिहार की तरह यहां भी इसके जरिए कुछ और करना चाह रही है।

कई डकैती कांड को अंजाम देने वाले हाजरा गिरोह का पदार्फाश

लूट के गहने के साथ दो कुख्यात गिरफ्तार

एजेंसी

दुमका: जिला पुलिस ने कई डकैती कांड को अंजाम देने वाले हाजरा गिरोह का पदार्फाश किया है। गैंग के दो सदस्यों की गिरफ्तारी हुई है और लूट गए कुछ आभूषण भी बरामद किए गए हैं। पुलिस की इस सफलता की जानकारी जरमुंडी क्षेत्र के एसडीपीओ नवल किशोर सिंह ने दी है।

फरवरी में व्यवसायी के घर की थी डकैती

पांच माह पूर्व 21 फरवरी को दुमका जिला के तालझारी थाना क्षेत्र के सहारा गांव के व्यवसायी श्याम सुन्दर साह के घर 9 अपराधियों ने हथियार के बल पर डकैती की थी। सभी के खिलाफ

मामला दर्ज कर पुलिस डकैतों का पता लगाने का प्रयास कर रही थी। इसी कड़ी में तालझारी थाना की पुलिस ने सरैयाहाट के कोल्हड़िया निवासी प्रदीप हाजरा और संजय राय को गिरफ्तार कर आज सोमवार को जेल भेज दिया है। पुलिस ने दोनों के पास से चांदी का कड़ा, दो कंगन, एक पायल और चांदी का सिकड़ी में लगा एक लॉकेट बरामद किया है।

एसडीपीओ ने दी जानकारी

पुलिस अधीक्षक सभागार में जरमुंडी एसडीपीओ नवल किशोर सिंह ने बताया कि डकैती की वारदात के बाद उनके नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। आरोपियों का सुराग लगाने के लिए तकनीक की मदद ली जा रही थी। इसी दौरान तालझारी थाना की पुलिस ने सूचना के आधार पर दोनों को धर दबोचा।

दोनों ने अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि साथियों की मदद से हंसडीहा थाना क्षेत्र में नोनीहाट ज्लेवरी मालिक से भी छिनतई की थी। इसके अलावा देवघर के कुंडा थाना क्षेत्र अन्तर्गत में भी डकैती के प्रयास की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि पूछताछ में यह पता चला है कि उनके गैंग में आठ-नौ अपराधी और भी शामिल है।

पुलिस अब बाकी फरार अपराधियों की तलाश में लग गई है। उन्होंने बताया कि संजय का आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ सरैयाहाट में 28 मई 2025 को आर्म्स एक्ट और हंसडीहा में 15 मार्च 2023 को डकैती का मामला दर्ज है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में बरहेट में शांतिपूर्ण मार्च

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेटःवी इंडियन क्लब के तत्वावधान में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर एक रविवार के शाम शांतिपूर्ण मार्च निकाला गया।क्लब के अध्यक्ष जुनेद आलम के नेतृत्व में आयोजित इस मार्च में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मार्च नवाब चौक से शुरू होकर,शिवगादी चौक,मेन रोड, तिनमोहानी सहित अन्य मार्ग का भ्रमण कर समापन हुआ।मार्च विशेष रूप से नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर घटित हालिया घटनाक्रम के विरोध में और लद्दाख के प्रसिद्ध शिक्षा सुधारक व पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में आयोजित किया गया था। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक की समस्याओं का तत्काल और उचित निवारण किया जाए।उनकी जायज मांगों को पूरा करते हुए प्रशासन सम्मानजनक तरीके से उनका अनशन समाप्त करवाए। साथ ही, देश की शिक्षा व्यवस्था में जमीनी स्तर पर सुधार लाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।मौके पर मौजूद शांतिपूर्ण मार्च को सफल बनाने में मुख्य रूप से जुनेद आलाम, वसीम आलम,समीर,सारिक,तंजीर, राकेश,अविनाश,अनिल,अक्षय,अमन सहित बड़ी संख्या में क्लब के सदस्य और अन्य मौजूद थे।

साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना में हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना का आरोप

सचिव पर एक घंटे में निरीक्षण की खानापूर्ति का आरोप

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना के स्थल निरीक्षण में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है।समाजसेवी सिधेश्वर मंडल ने इस संबंध में महामहिम राज्यपाल और मुख्य सचिव,झारखंड सरकार को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई है। डब्ल्यू।पी ,पीआईएल नम्बर 667/2018 सिधेश्वर मंडल बनाम झारखंड राज्य में माननीय उच्च न्यायालय,झारखंड, राँची द्वारा दिनांक 25 जुन को पारित आदेश के आलोक में सरकार के सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना का स्थल निरीक्षण

करना था।शिकायत के अनुसार सचिव महोदय का पत्रांक- 1677/ 6 जुलाई और कार्यपालक अभियंता पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल साहिबगंज के पत्रांक- 872/ 9 जुलाई के द्वारा 13 जुलाई 2026 को निरीक्षण की सूचना दी गई थी।लेकिन पत्र में यह उल्लेख नहीं था कि किस समय से किस वार्ड से निरीक्षण शुरू होगा।

आरोप क्या है?

याचिकाकर्ता सिधेश्वर मंडल का आरोप है कि दिनांक 13-07-2026 को सचिव महोदय ने साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना का निरीक्षण पहले न कर के तालझारी प्रखंड के बुसरी पहाड़ और राजमहल प्रखंड के पूर्वी नारायणपुर बेंगडुबी में चल रहे जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण किया।लगभग 2:30 बजे कार्यपालक अभियंता द्वारा फोन कर उन्हें सर्किट हाउस बुलाया गया।वहाँ उपायुक्त,उप विकास आयुक्त,अपर समाहर्ता, नगर परिषद अध्यक्ष की उपस्थिति में समीक्षा बैठक हुई।बैठक में ही बताया गया कि उक्त योजना में संवेदक को 6,40,23,705 रुपये अधिक भुगतान कर दिया गया है।सकरीगली घाट में के निर्माण में 3,49,53,362 रुपये खर्च कर स्थल परिवर्तन कर दिया गया और नए स्थल पर क निर्माण में 5,75,86,980 रुपये व्यय किए गए, जिसमें घटिया निर्माण के प्रमाण भी सचिव के समक्ष रखे गए।लेकिन यह कहकर लौटा दिया गया कि यह मामला हाईकोर्ट से संबंधित नहीं है।एक घंटे में 28 में से 4 स्थलों का निरीक्षण शिकायत में कहा गया है कि लगभग 3:30 बजे स्थल निरीक्षण शुरू हुआ और 28 वार्डों में से मात्र वार्ड नंबर16 के इमली टोला,वार्ड-05 के अंजुमन नगर,वार्ड25 के जिरवाबाड़ी थाना के समीप जल मीनार और पंचमुखी मंदिर के समीप घर तथा पोखरिया टाउन हॉल के समीप वाटर सप्लाई प्लांट का निरीक्षण कर लगभग 4:30 बजे,यानी मात्र एक घंटे में खानापूर्ति कर दी गई।सिधेश्वर मंडल ने अपने पत्र में लिखा है कि इस प्रकार बिना समय तय किए,पहले दूसरी योजना का निरीक्षण करना और फिर एक घंटे में औपचारिकता पूरी करना माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है।यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 की भावना का भी उल्लंघन है,क्योंकि पानी की आपूर्ति जीवन के अधिकार से जुड़ी है।उन्होंने पूरे मामले की बिंदुवार जांच कर नियमानुसार कार्रवाई और कृत कार्रवाई की प्रति उपलब्ध कराने की मांग की है।

न्यूज IN ब्रीफ

जवानों को मिला सुरक्षा कवच, यूथ विंग ने बांटे 60 रेन कोट

हजारीबाग : हजारीबाग शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए सोमवार को हजारीबाग यूथ विंग ने शहर के 60 से अधिक ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को रेनकोट प्रदान किया।सीसीआर प्रांगण में आयोजित इस रेनकोट समर्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल एसपी अमन कुमार ने यूथ विंग के इस प्रयास की जमकर सराहना की। एसपी ने कहा कि विपरीत मौसम में भी कर्तव्य पथ पर अडिग रहने वाले फ्रंटलाइन वॉरियर्स का सम्मान करना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसी सामाजिक सहभागिता पुलिस और आमजन के बीच भरोसे की डोर को और अधिक मजबूत करती है।संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि समाज की सुरक्षा में दिन-रात समर्पित रहने वाले पुलिस कर्मियों का सम्मान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। वहीं, अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ना है। बारिश के मौसम में जवानों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह सुरक्षा किट उन्हें समर्पित की गई है?

कार्यक्रम का संचालन

करीब 45 मिनट तक चले इस गरिमामयी कार्यक्रम का संचालन सेजल सिंह, खुशी कुमारी और वर्षा डे ने किया। इस दौरान सदर एसडीपीओ रूपक कुमार सिंह, हेडक्वार्टर डीएसपी ज्ञान रंजन, सीसीआर डीएसपी मो। अरमानुल हक और सार्जेंट मेजर कुमार देवब्रत सहित ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी उपस्थित थे। संस्था की ओर से सचिव रितेश खण्डेलवाल, विकास तिवारी, अभिषेक पांडे, गुंजन मद्धेशिया समेत अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय भूमिका निभाई।

टाटीझरिया के झरपो में वज्रपात से झूलसी महिला की इलाज के दौरान मौत

हजारीबाग : टाटीझरिया प्रतिनिधि टाटीझरिया प्रखंड अंतर्गत झरपो में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से काशी महतो का परिवार गहरे शोक में डूब गया। हादसे में परिवार की बहु पार्वती देवी (35 वर्ष), पति सुरेश कुमार की मौत हो गई, जबकि पुत्र दिवाकर कुमार और सास लखिया देवी गंभीर रूप से झुलस गईं। दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। सोमवार को जैसे ही पार्वती देवी की शवयात्रा उनके घर से निकली, पूरे दक्षिण टोला में मातम छा गया। परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन हो उठा और अंतिम विदाई के दौरान मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

ग्रामीणों ने बताया कि पार्वती देवी मिलनसार और समाजसेवी स्वभाव की महिला थीं। वे महिला मंडल से जुड़कर सक्रिय रूप से कार्य करती थीं और सभी के साथ उनका व्यवहार बेहद अच्छा था। उनकी असामयिक मौत की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए सैकड़ों महिलाएं एवं ग्रामीण उनके घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

बरही डीएवी स्कूल में नेशनल स्पोर्ट्स का शुभारंभ

बरही : बरही डीएवी स्कूल में डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स 2026 क्लस्टर-क्ष की दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। सोमवार को खो-खो एवं शतरंज की स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें डीएवी पब्लिक स्कूल बरही, कोडरमा, बरकाकाना, रजरप्पा, केदला, तापीन और कुजू की टीम ने भाग लिया।

उद्घाटन समारोह उद्घाटन समारोह में डीएवी बरही के प्राचार्य डॉ पुष्प कुमार झा, डीएवी रजरप्पा के प्राचार्य डॉ आरके साहू, डीएवी पब्लिक स्कूल आरा कुजू के प्राचार्य आलोक कुमार, डीएवी स्कूल तापीन के प्राचार्य रविंद्र कुमार पात्रा मौजूद थे। सभी ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए खेल को शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास के लिए शिक्षा का अंग बताया। प्रतिस्पर्धा में शामिल खिलाड़ियों ने निष्पक्ष खेल, अनुशासन और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

प्रतिस्पर्धा का परिणाम

खो-खो एवं शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अगले चरण के लिए चयनित होंगें। अंडर 17 खो खो बालिका वर्ग में डीएवी पब्लिक स्कूल बरही की टीम विजेता बनी वहीं उपविजेता केदला की टीम रही। अंडर-19 खो खो बालिका वर्ग में डीएवी पब्लिक स्कूल रजरप्पा की टीम विजेता बनी वहीं बरही डीएवी की टीम उपविजेता। शतरंज में अंडर 17 में बरही और अंडर-19 में रजरप्पा की टीम विजेता बनी। सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने कहा कि खेल खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। खेल अनुशासन के साथ जीना सिखाता है।

फरार चल रहे 17 वारंटी और बदमाश गिरफ्तार

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए गए एक विशेष समकालीन अभियान में बड़ी कामयाबी हासिल की है। एसपी अमन कुमार के निर्देश पर 18-19 जुलाई की दरम्यानी रात जिले भर में एक साथ छापेमारी की गई, जिसमें विभिन्न कांडों में लंबे समय से फरार चल रहे 17 वारंटियों और आरोपियों को दबोच लिया गया। जिला पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, इस विशेष अभियान के लिए व्यापक रूपरेखा तैयार की गई थी। जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक और पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में कुल 28 विशेष टीमों का गठन किया गया था।

इस ऑपरेशन क्लीन में पुलिस के 91 जाबाज अधिकारियों और जवानों को मैदान में उतारा गया था, जिन्होंने पूरी रात जिले के अलग-अलग इलाकों में दबिश दी।अभियान की सफलता पर पुलिस प्रशासन ने संतोष जताते हुए स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ यह मुहिम आगे भी इसी तरह जारी रहेगी। एसपी ने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि वे समाज में सक्रिय आपराधिक तत्वों के प्रति जागरूक रहें। यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या फरार अपराधी इलाके में देखा जाता है, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाना को दें। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी और जानकारी का सत्यापन कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर जलजमाव के कारण स्कूल जाने में बच्चों और शिक्षकों को हो रही है परेशानी

कटकमसांडी : कटकमसांडी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरगड्डा तक पहुंचने वाला रास्ता इन दिनों ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। हल्की-सी बारिश होते ही सड़क पानी और कीचड़ से भर जाती है, जिससे स्कूल पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। छोटे-छोटे बच्चों को जान जोखिम में डालकर कीचड़ भरे रास्ते से गुजरना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार यह समस्या नई नहीं है। हर वर्ष बरसात के दौरान सड़क दलदल में बदल जाती है। कई जगहों पर घुटने तक कीचड़ जमा हो जाता है, जिससे बच्चों के फिसलने और घायल होने का खतरा बना रहता है। अभिभावकों का कहना है कि कई बच्चे पहले भी गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

मेरा काम प्रदर्शन करना, बाहरी शोर से फर्क नहीं पड़ता : रोहित शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली : इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 138 रनों की पारी खेलने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान केवल भारतीय टीम के लिए प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी शोर से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और उनका काम सिर्फ मैदान पर देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देना है। लॉर्ड्स वनडे मैच से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार ऐसे दावे किए जा रहे थे कि यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को निराधार बताया था। अब मैच के बाद रोहित ने भी अपने बयान से इन चचाओं को लगभग खारिज कर दिया। बीसीसीआई की ओर से सोमवार को जारी वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना

और मैदान पर उतरकर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है। डेब्यू के बाद से मुझे यही जिम्मेदारी मिली है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि बाहरी चचाएं और आलोचनाएं उनके करियर की शुरूआत से ही होती रही हैं और इससे उनके सोचने या खेलने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता। रोहित ने कहा कि जब से मैंने पदार्पण किया है, तब से यह शोर मौजूद है। जब तक मैं खेलूंगा, यह चलता रहेगा। इसलिए इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं।₹ उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, ₹शोर-शराबा होने दीजिए। अगर शोर न हो, तो मजा ही नहीं आता। मेरा काम मैदान के अंदर है और आलोचकों का काम मैदान के बाहर। मैं इसे इसी नजरिए से देखता हूं। 138 रन की दमदार पारी भी नहीं दिला सकी जीतलॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में रोहित शर्मा ने 138 रनों की शानदार पारी खेलकर साबित कर दिया कि उनमें अभी भी भरपूर क्रिकेट बाकी है। हालांकि उनकी यह पारी भारतीय टीम को जीत नहीं दिला सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 387 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 360 रन ही बना सकी और 27 रन से मुकाबला हार गई। रोहित के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 77 और विराट कोहली ने 74 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। इससे पहले भारतीय टीम को पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में भी इंग्लैंड के हाथों 4-0 से हार का सामना करना पड़ा था।-

स्पेन ने अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में हराकर दूसरी बार जीता फीफा विश्व कप का खिताब

एजेंसी

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी): यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने रोमांचक फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को सोमवार तड़के (भारतीय समयानुसार) अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर दूसरी बार फीफा विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने विजयी गोल दागकर स्पेन को 2010 के बाद पहला और कुल दूसरा विश्व कप दिलाया। बार्सिलोना के स्टार फारवर्ड फेरान टोरेस 62वें मिनट में मिकेल ओयारजाबाल की जगह मैदान पर उतरे थे। अतिरिक्त समय में निको विलियम्स ने पेड्रो पोरो के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाया, जिसे अर्जेंटीना पूरी तरह क्लियर नहीं कर सका। गेंद फेरान टोरेस के पास पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर स्पेन को बढ़त दिला दी। इससे पहले मुकाबले का रुख 90वें मिनट में बदल गया, जब अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज ने स्पेन के युवा डिफेंडर पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल कर दिया। रेफरी स्लावको विन्चिच ने उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाते हुए लाल कार्ड थमा दिया, जिसके बाद अर्जेंटीना को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।पूरे मैच में स्पेन का दबदबा देखने को मिला। स्पेन ने लगातार आक्रमण किए और कई गोल करने के अवसर बनाए, हालांकि उसे सफलता अतिरिक्त समय तक नहीं मिली। दूसरी ओर, अर्जेंटीना स्पेन की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने संघर्ष करता नजर आया।

प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे मेसी

लियोनेल मेसी भी इस मुकाबले में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। अर्जेंटीना का पहला शॉट 117वें मिनट में आया, जब मेसी का प्रयास स्पेन के खिलाड़ियों ने ब्लॉक कर दिया।

लगातार दूसरे विश्व कप खिताब की उम्मीद लगाए बैठी अर्जेंटीना की टीम 1962 के बाद पहली बार खिताब बचाने वाली टीम बनने का सपना भी पूरा नहीं कर सकी।मैच के अंतिम मिनटों में अर्जेंटीना ने बराबरी के लिए जोरदार प्रयास किए, लेकिन स्पेन के खिलाड़ियों ने शानदार रक्षण करते हुए बढ़त बरकरार रखी और इतिहास रच दिया।

यह 48 टीमों वाले अब तक के सबसे बड़े फीफा विश्व कप का 104वां और अंतिम मुकाबला था, जिसकी मेजबानी संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की। टूर्नामेंट में कुल 307 गोल हुए, जो विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रहे। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए खेल और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां भी स्टेडियम पहुंचीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मैच के दौरान मौजूद रहे और पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए।समापन समारोह में प्रसिद्ध गायक पोस्ट मेलोन ने प्रस्तुति दी, जबकि हाफ टाइम शो में जस्टिन बीबर, मैडोना, शकीरा, बीटीएस, बर्ना बॉय सहित कई वैश्विक कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

'गजरा' में सच्ची घटना पर आधारित किरदार निभाएंगी अदा

हिंदी, तेलुगु और अन्य भाषाओं की फिल्मों में दमदार पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अदा शर्मा इन दिनों अपनी नई मराठी फिल्म 'गजरा' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस पर अदा का कहना है कि जब किसी वास्तविक घटना को बड़े पर्दे पर उतारा जाता है, तो कलाकार और फिल्म निर्माता दोनों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। ऐसी कहानियों का उद्देश्य उन लोगों के दर्द और संघर्ष को लोगों तक पहुंचाना होता है। बातचीत के दौरान अदा शर्मा ने सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्मों को लेकर अपनी राय खुलकर साझा की। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति के वास्तविक अनुभव या दर्द को पर्दे पर दिखाया जाता है, तो उस कहानी के साथ संवेदनशीलता बरतना बेहद जरूरी होता है। दर्शकों पर असर डालने के लिए किसी की पीड़ा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना सही तरीका नहीं है। अदा ने कहा, ''जब आप वास्तविक घटनाओं से जुड़ी कोई कहानी बताते हैं, तो उसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। हमारा मकसद लोगों को चौंकाना नहीं होता, बल्कि उन्हें यह समझाना होता है कि कहानी के किरदार किन परिस्थितियों और भावनाओं से गुजर रहे हैं। अगर दर्शक किसी किरदार के दर्द और भावनाओं को महसूस कर पाते हैं, तभी ऐसी कहानी अपने उद्देश्य में सफल मानी जा सकती है।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''एक अभिनेता के तौर पर हम किसी और की जिंदगी में कुछ समय के लिए मेहमान बनते हैं। इसलिए हमारी कोशिश रहती है कि उस व्यक्ति की भावनाओं और अनुभवों को जितना हो सके, उतनी ईमानदारी और सच्चाई के साथ पर्दे पर पेश करें।'' अदा शर्मा ने कहा, ''कई बार वास्तविक जिंदगी में होने वाली घटनाएं फिल्मों से भी ज्यादा नाटकीय होती हैं। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्मों में कहानी को प्रभावशाली बनाने के लिए बहुत कुछ जोड़ा जाता है, लेकिन सच्ची घटनियों पर आधारित फिल्मों में कई बार ठीक इसका उल्टा करना पड़ता है।'' बता दें कि 'गजरा' फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। फिल्म की कहानी और विषय को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। निर्माताओं के अनुसार, 'गजरा' साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जब तक बात नहीं होगी...

ऑटिज्म के प्रति जागरूकता अधूरी है

अभिनेता बोमन ईरानी कुछ ही मुद्दे पर आवाज उठाते हैं, लेकिन उसके पीछे की वजह मजबूत होती है। शुक्रवार को उन्होंने एक गंभीर मुद्दे पर बात रखी। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए 'फ्रेजाइल सिंड्रोम' के प्रति लोगों को जागरूक करने और समाज में इसके बारे में खुलकर बात करने के लिए सिनेमा की ताकत पर जोर दिया। अभिनेता का मानना है कि फिल्मों के जरिए ऐसे जटिल मुद्दों को लोगों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। 'वर्ल्ड फ्रेजाइल एक्स अवेयरनेस डे' से पहले अभिनेता ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने 'फ्रेजाइल सिंड्रोम' से प्रभावित लोगों और परिवारों के लिए ज्यादा जागरूकता और समावेश की जरूरत पर जोर दिया। अभिनेता ने लिखा, 'फ्रेजाइल जरूर देखें। एक कलाकार के रूप में हम अपनी जिंदगी की कहानियां सुनाने में व्यक्त हैं, लेकिन कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो सिर्फ देखने के लिए नहीं, बल्कि हमें रुककर, सुनकर और उन लोगों की दुनिया को समझने के लिए प्रेरित करती हैं, जिनके बारे में हम शायद बहुत कम जानते हैं। 'फ्रेजाइल' एक ऐसी ही फिल्म है। ' उन्होंने फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए लिखा, 'यह फिल्म पूरी सच्चाई और संवेदनशीलता के साथ 'फ्रेजाइल एक्स सिंड्रोम' से जुड़ी चुनौतियों को दिखाती है। यह उन लोगों और उनके परिवारों की कहानी है, जो हर दिन हिम्मत, धैर्य, संघर्ष और प्यार के साथ इस स्थिति का सामना करते हैं। अभिनेता ने बताया कि उनका हमेशा से मानना रहा है कि सिनेमा की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह उन बातों को सामने लाता है, जिन्हें अक्सर लोग नहीं देख पाते।

'आदर्श बाल विद्यालय' में सख्त शिक्षक बनेंगे अभिमन्यु सिंह

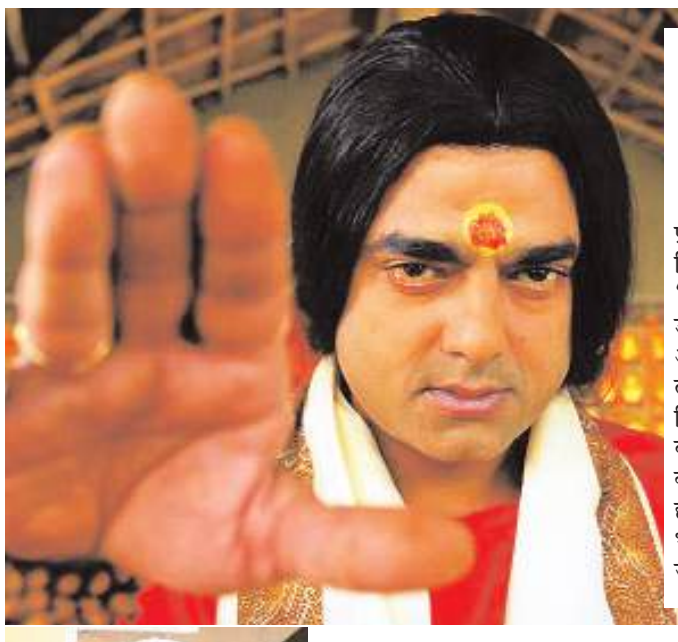

अभिनेता अभिमन्यु सिंह ने अब तक पर्दे पर ज्यादातर दमदार, खतरनाक और प्रभावशाली किरदार निभाकर अलग पहचान बनाई है। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में अभिमन्यु एक सख्त शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह उनके अब तक निभाए गए सभी किरदार से अलग है। अभिमन्यु ने कहा, ''मैंने करियर में कई दमदार और सख्त किरदार निभाए हैं, लेकिन एक शिक्षक की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी बिल्कुल अलग होती है। मेरे किरदार का मानना है कि अनुशासन का मतलब बच्चों में डर पैदा करना नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, ईमानदारी और मजबूती के साथ जिंदगी का सामना करने के लिए तैयार करना है।'' उन्होंने आगे कहा, ''मेरा किरदार बाहर से भले ही सख्त नजर आता हो, लेकिन उसके हर फैसले के पीछे छात्रों का बेहतर भविष्य छिपा है। मुझे लगता है कि हम सभी की जिंदगी में एक ऐसा शिक्षक जरूर रहा होगा, जिससे हम स्कूल के दिनों में डरते थे.

अच्छा स्वभाव जीत लेता है दिल

हरियाणा की मशहूर डांसर और अभिनेत्री सपना चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इसके जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपने एक पोस्ट के जरिए 'अच्छे व्यक्तित्व' के महत्व को समझाया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें वह सड़क पर बेफिक्र होकर मस्ती भरे अंदाज में घूमती नजर आ रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'सुंदरता तो सिर्फ लोगों का ध्यान खींचती है, लेकिन इंसान का अच्छा चरित्र (स्वभाव) हमेशा के लिए दिल जीत लेता है।' अभिनेत्री सपना चौधरी की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस उनके पोस्ट को पसंद करने के साथ-साथ कमेंट भी कर रहे हैं। सपना चौधरी के स्टेज शो में जुटने वाली भीड़ उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण है। हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पंजाब में उनके शो में लाखों की भीड़ उमड़ती है। तमाम शोहरत पाने के बावजूद अभिनेत्री इस समय पारिवारिक मतभेद में उलझी हुई हैं। जनवरी 2020 में हरियाणवी गायक और संगीतकार वीर साहू से गुपचुप तरीके से कोर्ट मैरिज कर ली थी, जिससे उनके दो बच्चे हैं।

बेटी की प्राइवेसी पर आंच आते ही एयरपोर्ट पर

फोटोग्राफर्स पर भड़कीं रानी मुखर्जी

अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपने बच्चों के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। वे अपनी बच्ची अदिरा को मीडिया और लाइमलाइट से दूर रखना पसंद करती हैं, लेकिन शुक्रवार को जब पैप्स ने चुपके से बच्ची की तस्वीर खींच ली, तो अभिनेत्री उन पर काफी नाराज नजर हुईं। दरअसल, अभिनेत्री रानी मुखर्जी को मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी बेटी रिसीव करने गई थी। रानी को मुंबई एयरपोर्ट पर एक एलिगेंट स्लीवलेस ब्लैक आउटफिट पहने देखा गया, जिसके साथ उन्होंने बड़े ब्लैक सनग्लासेस पहने थे और उनके हाथों में एक ब्लू डेनिम जैकेट थी। शुरुआत में, अभिनेत्री पैप्स को मुस्कराते हुए पोज दे रही थी। हालांकि, थोड़ी देर बाद अभिनेत्री को अंदाजा हुआ कि फोटोग्राफर्स ने चुपके से कार के अंदर बैठी अदीरा की फोटो खींच ली है। अभिनेत्री रानी मुखर्जी तुरंत फोटोग्राफर की ओर वापस चली गईं और कैमरा चेक करने लगीं ताकि यह पक्का हो सके कि उनकी बच्ची की तस्वीर ली गई है या नहीं। रानी ने हाथ से इशारा करते हुए फोटोग्राफरों से तस्वीरें लेना बंद करने और उनकी बेटी की प्राइवेसी का सम्मान करने को भी कहा। बता दें कि रानी मुखर्जी ने अप्रैल 2014 में इटली में एक प्राइवेट सेरेमनी में फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा से शादी की थी। कपल ने 9 दिसंबर, 2015 को अपनी बेटी का स्वागत किया था। रानी मुखर्जी और फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा अपनी बेटी को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखना पसंद करते हैं। अभिनेत्री कई इंटरव्यू में खुलासा भी कर चुकी हैं कि अभी वे अपनी बेटी को लाइमलाइट की दुनिया से दूर परवरिश देना चाहती हैं। रानी का मानना है कि स्टार किड्स का लगातार मीडिया की नजरों में रहना, उनके विकास में बाधा बन सकता है और वे अपनी बेटी को अनावश्यक जांच से बचाकर रखना चाहती हैं।

जुलाई के अंतिम सप्ताह में बीपीएससी को भेजी जाएगी टीआरई-4 की अधिसूचना : शिक्षा मंत्री

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को शिक्षक नियुक्ति का मुद्दा सदन में प्रमुखता से उठा। प्रश्नकाल के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक गौतम ने शिक्षक बहाली में हो रही देरी और शिक्षा विभाग की ओर से जारी नियुक्ति कैलेंडर का पालन नहीं किए जाने का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। राजद विधायक ने कहा कि विभाग ने अपने नियुक्ति कैलेंडर के अनुसार अगस्त में शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की बात कही थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2025 की तरह वर्ष 2026 में भी शिक्षक बहाली के लिए निर्धारित कैलेंडर का पालन नहीं किया गया है। अब तक टीआरई-4 की अधिसूचना जारी नहीं होने से लाखों

अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इस पर शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने सदन को बताया कि राज्य के प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के स्थानांतरण (ट्रांसफर) और पदस्थापन (पोस्टिंग) की प्रक्रिया फिलहाल जारी है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही रिक्त पदों की वास्तविक संख्या स्पष्ट हो सकेगी, जिसके आधार पर नई शिक्षक नियुक्ति की कार्रवाई शुरू की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि विभाग जुलाई के अंतिम सप्ताह में शिक्षक नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) को भेज देगा। इसके बाद बीपीएससी टीआरई-4 के तहत रिक्तियों की संख्या और भर्ती प्रक्रिया से संबंधित आधिकारिक विज्ञापन जारी करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पहले स्थानांतरण और पदस्थापन की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से पूरा करना है, ताकि विद्यालयवार रिक्त पदों का सही आकलन किया जा सके। इसके बाद आवश्यकता के अनुसार प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग टीआरई-4 के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियों में जुटा हुआ है। शिक्षा मंत्री के जवाब के बाद भी विपक्ष ने शिक्षक नियुक्ति में हो रही देरी पर चिंता जताई और सरकार से समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की मांग की। विपक्षी सदस्यों का कहना था कि लंबे समय से लाखों अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं और लगातार हो रही देरी से उनमें निराशा बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि बिहार में टीआरई-1, टीआरई-2 और टीआरई-3 के माध्यम से राज्य के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है। अब चौथे चरण की शिक्षक भर्ती (टीआरई-4) को लेकर अभ्यर्थियों की निगाहें शिक्षा विभाग और बिहार लोक सेवा आयोग की आगामी अधिसूचना पर टिकी हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि जल्द अधिसूचना जारी होने से रिक्तियों की संख्या, परीक्षा कार्यक्रम और आवेदन प्रक्रिया स्पष्ट होगी तथा वे अपनी तैयारी को अंतिम रूप दे सकेंगे।

उप्र कैबिनेट : यूपी विधानमंडल का मॉनसून सत्र तीन अगस्त से शुरू होगा

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी है। मुख्यमंत्री आवास पांच कालिदास मार्ग पर आयोजित इस बैठक में उप्र विधान मण्डल का मानसून सत्र तीन अगस्त से आहूत किए जाने समेत अन्य प्रस्तावों पर मुहर लगी है। इस बैठक में मुख्यमंत्री के साथ ही उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक समेत अन्य मंत्री शामिल रहे। कैबिनेट में उच्च शिक्षा विभाग के तीन प्रस्ताव पास हुए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने छात्राओं को मुफ्त स्कूटी देने का फैसला लिया है। सभी प्रकार के कॉलेज में 2025-26 में उत्तीर्ण छात्राओं में टॉप पांच फीसदी छात्राओं कों स्कूटी मिलेगी। यह स्कूटी पट्रोल चालित होगी। दिव्यांग, शहीद निराश्रित परिवार की छात्राओं कों प्राथमिकता दी जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि इस योजना का लाभ उन छात्राओं को दी जाएगी जिनके अभिभावकों की सालाना आय 12 लाख रुपये से कम है। इस योजना पर सरकार लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

खराब मौसम के कारण अमरनाथ व वैष्णो देवी यात्रा तीसरे दिन भी शुरू नहीं हो सकी, लापता 6 लोगों की तलाश जारी

एजेंसी

जम्मू : खराब मौसम, भारी बारिश व भू-स्खलन की चेतावनी को देखते हुए आज तीसरे दिन भी श्री अमरनाथ यात्रा व श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा को रोकना पड़ा है। रियासी जिले में शिवखोड़ी व किश्तवाड़ में मचैल माता यात्रा को रोकना पड़ा है। राजौरी पुंछ में बाढ़ व भूस्खलन के चलते लापता 6 लोगों की तलाश मंगलवार को भी जारी है। सोमवार को जम्मू संभाग में ताजा भूस्खलन व पत्थर गिरने से दस लोगों की मौत हो गई। पुंछ के लोरान में घर ढह जाने से 7 लोगों की मौत हुई जबकि डोडा में बस पर एक बड़ा पत्थर गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए जबकि किश्तवाड़ में एक महिला की पत्थर के चपेट में आने से मौत हो गई। इसके साथ ही पिछले दो दिनों में जम्मू संभाग में बाढ़ व भू-स्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। पूंछ जिले के मंडी इलाके में लोरान के पास डुमेल गांव के ऊंचे इलाकों में भूस्खलन के बाद एक कच्चा घर गिर गया। मारे गये सात सदस्यों में दो बच्चे भी शामिल थे जो अपने मवेशियों के साथ नंदीशुल झरने के पास ऊंचे इलाकों में स्थित अपने घर में रह रहे थे। यह लोग मूल रूप से गांव अरिगाम के हैं। इलाके में बारिश हो रही है और देर शाम बचाव अभियान रोक दिया गया था, इसलिए मृतकों का अंतिम संस्कार आज किया जाएगा। मृतकों की पहचान रफीक (4 साल) पुत्र मोहम्मद रफीक, अरेजा रफीक (2) पुत्री मोहम्म रफीक, तनवीर अहमद (22) पुत्र गुलाम मोहम्मद, जाहिदा परवीन (26) पत्नी मोहम्मद रफीक, शमीम बानो (27) पत्नी मोहम्मद रियाज, मोहम्मद इरफान (20) पुत्र अब्दुल सुभान और शबनम अख्तर (32) पत्नी मोहम्मद माजिद के रूप में हुई है। डोडा में मृतकों की पहचान मनीष कुमार (33) पुत्र सुरेंद्र कुमार भद्रवाह का निवासी और कुलवंत सिंह (29) पुत्र बुद्धि सिंह बिजारनी, बागवाह का निवासी के रूप में की गई है। इस बीच जम्मू कश्मीर और लद्दाख के आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग ने एक सार्वजनिक एडवाइजरी जारी की है। इसमें निवासियों, यात्रियों, पर्यटकों और सभी संबंधित लोगों से अपील की गई है कि वे भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा इस क्षेत्र में भारी बारिश के पूवार्नुमान को देखते हुए सतर्क रहें।

बीएचयू में 'पूरब के रंग' विषयक कार्यशाला में विशिष्ट गायन शैली का व्यावहारिक प्रशिक्षण

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत एवं मंच कला संकाय के गायन विभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला 'पूरब के रंग' के दूसरे दिन मंगलवार को विद्यार्थियों को पूरब अंग गायकी की विशिष्ट शैली का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला की प्रशिक्षक एवं बीएचयू महिला महाविद्यालय की आचार्या प्रो. ऋचा कुमार ने प्रतिभागियों को पूरब अंग गायकी की शैलीगत विशेषताओं, बोल-बनाव, भावाभिव्यक्ति तथा ठुमरी की प्रस्तुति के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। उन्होंने व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से

विद्यार्थियों को गायकी की बारीकियों का अभ्यास भी कराया। संगीत एवं मंच कला संकाय की अधिष्ठाता एवं प्रमुख प्रो. संगीता पंडित तथा आयोजन सचिव डॉ. मधुमिता भट्टाचार्य और डॉ. श्यामा कुमारी ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार से हुआ है। तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला में 'पूरब के रंग' विषय के अंतर्गत विशिष्ट गायन शैली की परंपरा, उसकी शैलीगत विशेषताओं और व्यावहारिक पक्षों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रो. ऋचा कुमार शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय संगीत की प्रतिष्ठित गायिका हैं और उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को पूरब अंग गायकी की परंपरा को व्यवहारिक रूप से सीखने का अवसर मिल रहा है। कार्यशाला में बी.पी.ए., एम.पी.ए. एवं पीएच.डी. के विद्यार्थियों के साथ बीएचयू महिला महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि कार्यशाला के प्रथम दिन संकाय की विशिष्ट पूर्व छात्रा एवं मुंबई की सुप्रसिद्ध गायिका प्रियंका भट्टाचार्य भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर संकाय के आचार्यों ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

मुठभेड़ में 15 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी

फिरोजाबाद : उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद के थाना शिकोहाबाद पुलिस व एसओजी टीम ने सोमवार देर रात 15 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया हैं। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) अनुज चौधरी ने मंगलवार को बताया कि जनपद के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के क्रम में थाना शिकोहाबाद प्रभारी अनुज कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त भूडा नहर पटरी के पास खड़ा हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो मोटरसाइकिल पर एक संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने रोका तो उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्यवाही में संदिग्ध व्यक्ति के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान थाना शिकोहाबाद पर दर्ज गैगंस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त शाहरुख उर्फ सारुख पुत्र यूनुस उर्फ अमीन निवासी बडा हार (कल्हौर) थाना घिरोर जनपद मैनपुरी के रूप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से 01 चोरी की मोटरसाइकिल, 01 अवैध तमंचा, 02 खोखा कारतूस, 02 जिन्दा कारतूस बरामद हुआ है। एएसपी ने बताया कि घायल अभियुक्त को पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

होटल-लॉज, ढाबों और किरायेदारों के सत्यापन अभियान को मिली नई गति, जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस ने बनाई सुरक्षा की नई रणनीति

एजेंसी

धमतरी : धमतरी जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से धमतरी पुलिस ने होटल, ढाबा, लॉज, धर्मशाला, किरायेदार और बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन अभियान को नई गति दी है। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत जिले में निवासरत बाहरी व्यक्तियों, संदिग्ध किरायेदारों, अवैध प्रवासियों तथा असामाजिक तत्वों की पहचान और सत्यापन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार पांडेय एवं नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक चतुर्वेदी ने नगर निगम के सभापति, एल्डरमेन, पार्षदों, सरपंचों, कोटवारों और अन्य स्टेकहोल्डर्स की सोमवार की देर शाम महत्वपूर्ण बैठक लेकर जनसहभागिता के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था केवल पुलिस की सतर्कता से नहीं बल्कि जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से मजबूत होती है। पुलिस और समाज के बीच बेहतर समन्वय, त्वरित सूचना तंत्र तथा सामुदायिक सहयोग से ही अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाकर सुरक्षित, शांतिपूर्ण और अपराधमुक्त धमतरी का निर्माण संभव है। इसी उद्देश्य से सभी जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को अपने क्षेत्र में जारी निवास प्रमाण-पत्रों का व्यवस्थित अभिलेख रखने, नए अथवा संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने, पंचायत भवन, वार्ड कार्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस के जन-जागरूकता पोस्टर लगाकर टोल फ्री नंबर 1800-233-1905 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राइस मिल, फैक्ट्री, पोल्ट्री फार्म, निर्माण कार्यों के ठेकेदारों और अन्य संस्थानों को अपने यहां कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी एवं मजदूर का आधार कार्ड तथा पहचान संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराकर पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने, सभी मकान मालिकों को किरायेदारों का पुलिस सत्यापन सुनिश्चित करने तथा होटल, लॉज एवं धर्मशाला संचालकों को प्रत्येक आगंतुक का वैध पहचान पत्र लेकर उसका विवरण रजिस्टर में दर्ज करने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के ठहरने की सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए गए।

नेपाल के अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों का रिकॉर्ड आगमन, 169 देशों के 5.08 लाख सैलानी पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण पिछले आर्थिक वर्ष में 169 देशों के 5 लाख 8 हजार 476 विदेशी पर्यटकों ने किया। इनमें दक्षिण एशियाई देशों के 3 लाख 84 हजार 145 तथा अन्य देशों के 1 लाख 24 हजार 331 पर्यटक शामिल रहे। सबसे अधिक 3 लाख 75 हजार 797 भारतीय पर्यटक इस क्षेत्र में पहुंचे। इसके बाद चीन के 12 हजार 539 और अमेरिका के 9 हजार 884 पर्यटकों ने अन्नपूर्ण क्षेत्र का भ्रमण किया। इसी प्रकार ब्रिटेन से 9 हजार 859, फ्रांस से 7 हजार 939, मलेशिया से 7 हजार 848, जर्मनी से 7 हजार 634, बांग्लादेश से 7 हजार 448, ऑस्ट्रेलिया से 7 हजार 95 और इजराइल से 6 हजार 398 पर्यटक इस क्षेत्र में पहुंचे। अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र परियोजना के प्रमुख डॉ. रविन कडारिया ने बताया कि आर्थिक वर्ष की तुलना में पिछले

आर्थिक वर्ष में विदेशी पर्यटकों की संख्या लगभग दोगुनी रही। उनके अनुसार, पिछले आर्थिक वर्ष में 2 लाख 78 हजार 113 विदेशी पर्यटक अन्नपूर्ण क्षेत्र पहुंचे थे, जबकि पिछले वर्ष पर्यटकों की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया। डॉ. कडारिया के अनुसार, पिछले जेठ (मई-जून) महीने में भारत सहित दक्षिण एशियाई देशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि भारतीय पर्यटकों की इतनी बड़ी संख्या पहली बार इस क्षेत्र में पहुंची है। उन्होंने बताया कि भारत में पोखरा, मुक्तिनाथ और अन्नपूर्ण क्षेत्र के अन्य पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार, बेहतर सड़क संपर्क तथा सोशल मीडिया के माध्यम से बढ़ती लोकप्रियता के कारण भारतीय पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक पोखरा और आसपास के पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। अप्रैलझजून के दौरान नेपाल की पर्यटन राजधानी पोखरा के होटलों में 90 प्रतिशत तक ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई। डॉ. कडारिया ने बताया कि पोखरा आने वाले भारतीय पर्यटकों में से लगभग 40 प्रतिशत मुक्तिनाथ भी जाते हैं। अन्नपूर्ण क्षेत्र दुनिया के सबसे प्रसिद्ध ट्रेकिंग (पदयात्रा) पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है। यहां आने वाले पर्यटक अन्नपूर्ण सर्किट ट्रेल के माध्यम से अन्नपूर्ण बेस कैंप, मर्दी हिमाल, घान्द्रुक, मनाङ की तिलिचो झील, थोरङ-ला दर्रा, अपर मुस्तांग, मुक्तिनाथ और म्याग्दी के घोडेपानी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते हैं। अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र परियोजना केवल इन गंतव्यों का भ्रमण करने वाले विदेशी पर्यटकों का ही रिकॉर्ड रखती है।

करीब 7,600 वर्ग किलोमीटर में फैला अन्नपूर्ण संरक्षण क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता, हिमालयी जीवनशैली और समृद्ध संस्कृति के कारण विश्वभर में प्रसिद्ध है। इस संरक्षण क्षेत्र में कास्की, लमजुङ, मनाङ, म्याग्दी और मुस्तांग जिलों की 15 स्थानीय इकाइयों के 87 वार्ड शामिल हैं।

वीडियो कॉल पर बातचीत के दौरान युवती का आपत्तिजनक वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर किया वायरल

नोएडा : उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर नोएडा के थाना सेक्टर 24 में एक युवती ने सोमवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी एक युवक से दोस्ती हुई। युवती के अनुसार उसकी युवक के साथ वीडियो कॉल पर बात हो रही थी। इसी दौरान उसने उसका अश्लील वीडियो अपने मोबाइल के द्वारा रिकॉर्ड कर लिया। अब उसे वह सोशल मीडिया पर फेक आईडी बनाकर वायरल कर रहा है। थाना सेक्टर -24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि मूल रूप से जनपद प्रयागराज की रहने वाली एक युवती ने आज सुबह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह नोएडा के सेक्टर 22 में रहती है। पीड़िता के अनुसार उसकी सोशल मीडिया के माध्यम से पंकज राजपूत से वर्ष 2025 मे दोस्ती हुई। दोनो ने एक दूसरे को अपना नंबर दिया। दोनों के बीच बातचीत होने लगी और नजदीकियां बढ़ीं। एक दिन वह पंकज से वीडियो कॉल पर प्रेम भरी बातें कर रही थी। आपसी विश्वास को तोड़ते हुए उसने उसका अश्लील वीडियो बना लिया। पीड़िता का आरोप है कि वह उसके अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने लगा। उसके अनुसार आरोपित ने उसी के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर उसका अश्लील वीडियो वायरल कर दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका को लेकर सड़क जाम

चतरा : जिले के वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र के घंघरी गांव के समीप चतरा-डोभी मुख्य मार्ग (एनएच-22) किनारे एक युवक का शव पुलिस ने मंगलवार को बरामद किया है। मृतक की पहचान घंघरी निवासी महाबीर यादव के पुत्र मुकेश यादव के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और परिजन हत्या की आशंका जताते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने एनएच-22 को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जाम के चलते चतरा से बिहार के गया और अन्य मार्गों पर आने-जाने वाले छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा देने की मांग की। सूचना मिलते ही वशिष्ठनगर जोरी थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास शुरू किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से मृतक की मोटरसाइकिल भी बरामद कर जब्त कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

बीएसएफ ने इंटरनेशनल बॉर्डर पार करने की कोशिश में एक पाकिस्तानी को पकड़ा

जम्मू : जम्मू जिले के अखनूर में 20-21 जुलाई की रात पुलिस पोस्ट खोर के अधिकार क्षेत्र में आने वाली बीएसएफ की 134 बटालियन की बीओपी मलाबेला पर तैनात बीएसएफ जवानों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा। वह पाकिस्तान की तरफ से भारतीय इलाके में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पार करने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार बीएसएफ जवानों को बॉर्डर के पास संदिग्ध गतिविधि दिखी, जिसके बाद घुसपैठिए का पता चला। संतरी ने बार-बार चेतावनी दी और रुकने के लिए कहा, लेकिन इसके बावजूद वह व्यक्ति आगे बढ़ता रहा। बाद में उसे काबू कर लिया गया और बीओपी मलाबेला में हिरासत में ले लिया गया। शुरूआती पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपनी पहचान मोहम्मद रफीक उर्फ काला (53) पिता मोहम्मद शफीक, निवासी गांव पिंडी, पाकिस्तान के तौर पर बताई। उसने बताया कि वह गांव लूनी (पाकिस्तान) से आया था और अपनी शादीशुदा बहन से मिलने के लिए गांव जंग (पाकिस्तान) जा रहा था। बीएसएफ ने उसके पास से पाकिस्तानी राष्ट्रीय पहचान पत्र, चश्मा, सिगरेट के पैकेट, लाइटर, तंबाकू, केक, आम वाले बिस्कुट, चॉकलेट, नेल कटर और वॉलेट बरामद किया। फिलहाल यह पाकिस्तानी नागरिक मलाबेला में बीएसएफ की हिरासत में है, जहां उससे और पूछताछ और वेरिफिकेशन किया जा रहा है। बॉर्डर पार करने की घटना से जुड़े हालात की जांच की जा रही है।

चारधाम यात्रा पुनः शुरू, यात्रियों से प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने की अपील

देहरादून : उत्तराखंड में प्रतिकूल मौसम को देखते हुए 20 जुलाई को एहतियातन अस्थायी रूप से स्थगित की गई चारधाम यात्रा को मंगलवार से पुनः सुचारु रूप से शुरू कर दिया गया। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने बताया कि चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलों के प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से यात्रा का संचालन किया जा रहा है। यात्रा मार्गों की लगातार निगरानी की जा रही है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि यदि यात्रा के दौरान किसी स्थान पर भारी वर्षा,भूस्खलन या अन्य कारणों से मार्ग अस्थायी रूप से बाधित हो जाए, तो वे प्रशासन की ओर से निर्धारित सुरक्षित स्थानों अथवा होल्डिंग एरिया में ही रुकें और प्रशासन और पुलिस के निदेर्शों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां सामान्य होने के बाद ही यात्रा आगे बढ़ाई जाएगी। गढ़वाल आयुक्त ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभागों को मौसम और यात्रा मार्गों की स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले मौसम की ताजा जानकारी लेने और केवल प्रशासन की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया।

दिल्ली में संसद मार्च के दौरान पुलिस लाठीचार्ज की उच्च न्यायालय में गूंज, याचिका पर सुनवाई कल

नई दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हुई कथित पुलिस ज्यादती के खिलाफ याचिका दायर की गई है। याचिका को चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए तुरंत सुनवाई की मांग की गई। अदालत ने इस याचिका पर आज सुनवाई करने से इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने 22 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया। चीफ जस्टिस ने कहा कि इस तरह हर बात पर कोर्ट आना ठीक नहीं है। बता दें कि काकरोच जनता पार्टी की ओर से पेपर लीक के आरोपों के बाद केंद्रीयमंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा है। इस दौरान सोनम वांगचुक ने 28 जून से आमरण अनशन शुरू किया। करीब 20 दिनों के अनशन के बाद उन्हें जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। प्रदर्शनकारियों ने 20 जुलाई को संसद मार्च किया। इस दौरान राजधानी में कई स्थानों प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई। याचिका में कहा गया है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकरियों के साथ कई स्थानों पर ज्यादती की। दिल्ली पुलिस ने कई स्थानों पर छात्रों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे।

न्यूज IN ब्रीफ

कराईकेला मौसीबाड़ी गुण्डीचा मंदिर पुरानाडीह में रथ भंगिनी कार्यक्रम आयोजित

चक्रधरपुर : कराईकेला स्थित मौसीबाड़ी गुण्डीचा मंदिर, पुरानाडीह में सोमवार शाम पारंपरिक रथ भंगिनी कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजित किया गया। भजन-कीर्तन के बीच श्री मंदिर से सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं पुजारियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता लक्ष्मी को मौसीबाड़ी लाया। परंपरा के अनुसार धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ रथ भंगिनी की रस्म संपन्न हुई, जिसमें माता लक्ष्मी के साथ आए श्रद्धालुओं द्वारा भगवान जगन्नाथ के रथ का प्रतीकात्मक रूप से भंग किया गया।

इसके बाद गुण्डीचा मंदिर परिसर में माता लक्ष्मी के क्रोध को शांत करने के लिए मंदिर के पुजारी जगदीश चंद्र ठाकुर एवं भरत मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना कराई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी माता लक्ष्मी की पूजा कर प्रसाद ग्रहण किया। पूजन उपरांत माता लक्ष्मी को भजन-कीर्तन एवं गाजे-बाजे के साथ पुनः श्री मंदिर लाया गया। कार्यक्रम में संरक्षक प्रशांत साहू, विवेक उर्फ बिट्टू मिश्रा, लोकनाथ सारंगी, गिरधारी मंडल, ललित नारायण ठाकुर, राजकिशोर नायक, बाबानाथ सारंगी, जोलेन्द्र नायक, कुना मिश्रा, सहदेव प्रजापति, श्याम साहू, दुलाल सेन सहित जगन्नाथ पूजा समिति 64 मौजा के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भालुपानी पंचायत के रांगरिंग गांव में कराईकेला पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

बंदगांव/कराईकेला : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराईकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत भालुपानी पंचायत के रांगरिंग गांव में कराईकेला पुलिस द्वारा डाइन-बिसाही, मानव तस्करी एवं नशा उन्मूलन को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व कराईकेला थाना प्रभारी प्यारे हसन ने किया। इस दौरान ग्रामीणों को सामाजिक कुरीतियों और अपराधों के प्रति सचेत रहने तथा कानून की जानकारी दी गई।

थाना प्रभारी प्यारे हसन ने कहा कि डाइन-बिसाही जैसी कुप्रथाएं समाज के लिए अभिशाप हैं और इसके नाम पर किसी भी व्यक्ति के साथ प्रताड़ना या हिंसा करना गंभीर दंडनीय अपराध है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और किसी भी प्रकार की घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने मानव तस्करी के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों, किशोरियों एवं युवाओं को नौकरी, पढ़ाई या बेहतर भविष्य का झांसा देकर तस्करी करने वाले गिरोह सक्रिय रहते हैं। ऐसे लोगों से सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

नशा उन्मूलन पर उन्होंने कहा कि नशा युवाओं का भविष्य बर्बाद करता है और परिवार व समाज को भी प्रभावित करता है। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए पुलिस के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए सामाजिक बुराइयों के खिलाफ पुलिस का सहयोग करने का संकल्प लिया।

कराईकेला पुलिस ने स्पष्ट किया कि समाज में शांति, सुरक्षा और जागरूकता बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे।

टाटानगर की ट्रेनें 24 से 26 तक नहीं जाएगी हावड़ा स्टेशन

जमशेदपुर : हावड़ा स्टेशन पर प्लेटफार्म की लाइन अपग्रेड करने के कारण तीन दिन ब्लॉक होगा। इससे टाटानगर और हावड़ा के बीच चलने वाली ट्रेनों को संतरागाछी और शालीमार स्टेशन से अपडाउन करने का आदेश हुआ है। रेलवे शेड्यूल के अनुसार, स्टील एक्सप्रेस संतरागाछी और इस्पात एक्सप्रेस शालीमार से खुलेगी। जबकि 24 से 26 जुलाई के बीच हावड़ा से टाटानगर आने वाली अहमदाबाद एक्सप्रेस, गीतांजलि एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, हटिया क्रिया योगा एक्सप्रेस, शिरडी एक्सप्रेस समेत कई अन्य ट्रेनों को दिन बदलकर संतरागाछी और शालीमार स्टेशन से चलाने की तैयारी है। यात्री सुविधा को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से दिन के अनुसार ट्रेनों के खुले और टर्मिनेट की सूचना मार्ग के सभी स्टेशनों को दी गई है जिसे यात्रियों को दिक्कत नहीं हो।

मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों के लिए जदयू ने बनाई छह सदस्यीय समिति

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम के पोटका, डुमरिया, घाटशिला और चाकुलिया में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) ने छह सदस्यीय समिति का गठन किया है। जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने बताया कि समिति प्रभावित मरीजों से संपर्क कर उनकी समस्याओं की जानकारी लेगी तथा सिविल सर्जन और संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों से समन्वय कर समुचित इलाज सुनिश्चित कराएगी। समिति में वीर सिंह देवगन, मनोरंजन महतो, बृहस्पति कर्मकार, यशराज, अमित पातर और बीरबल सरदार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इलाज में लापरवाही या दवा की कमी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों से हस्तक्षेप कर समाधान कराया जाएगा।

समाज हित में ज्ञान कौशल का इस्तेमाल करें छात्र: सीएमडी

धनबाद : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची में सोमवार को एग्जीक्यूटिव एमबीए (कार्यकारी एमबीए-2026-28) बैच के शुभारंभ समारोह में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर संकाय छात्रों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों से टीम भावना के साथ कार्य करने तथा ज्ञान व कौशल का उपयोग संगठन और समाज के हित में करने का आग्रह किया। उन्होंने अपने शैक्षणिक अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक स्वागत व छात्रों के परिचय के साथ हुआ। इसके बाद सीएमडी ने छात्रों से सकारात्मक दृष्टिकोण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता व नैतिक मूल्यों को अपने व्यक्तित्व और पेशेवर जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। कहा कि प्रबंधन शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि बदलते व्यावसायिक परिवेश में चुनौतियों का प्रभावी समाधान खोजने, नवाचार को बढ़ावा देने, समाज व राष्ट्र के समग्र विकास में सार्थक योगदान देने का एक अवसर भी है।

स्कूल से ही स्पीड पोस्ट होगी राखी, डाक विभाग की नई पहल से छात्राओं में उत्साह

संवाददाता

चक्रधरपुर : रक्षाबंधन के पावन पर्व को यादगार बनाने के लिए भारतीय डाक विभाग ने एक अभिनव पहल शुरू की है। अब बहनों को अपने भाइयों तक राखी पहुंचाने के लिए डाकघर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। डाक विभाग स्वयं विद्यालयों में पहुंचकर छात्राओं की राखियों और उनके द्वारा लिखे गए पत्रों को स्पीड पोस्ट के माध्यम से देशभर में भेजने की व्यवस्था कर रहा है।

इस अभियान के तहत चक्रधरपुर डाकघर द्वारा सरकारी एवं निजी विद्यालयों में ₹राखी बनाओ और डाक से भेजो₹ प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देना, उन्हें भारतीय डाक सेवा से जोड़ना तथा पत्र लेखन और पारंपरिक डाक संस्कृति के महत्व से परिचित कराना है।

इसी कड़ी में हथिया गांव स्थित फोकस

परसोना स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्राओं ने रंग-बिरंगी राखियां तैयार कीं और अपने भाइयों के नाम भावनात्मक संदेश लिखे। डाक विभाग की टीम ने विद्यालय में ही राखियों और पत्रों को एकत्र कर स्पीड पोस्ट के लिए पैक किया, जिससे छात्राओं को डाकघर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

डाक विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस पहल के लिए नाममात्र का शुल्क रखा गया है। इससे बच्चों में भारतीय डाक सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और रिश्तों को हस्तलिखित पत्रों के माध्यम से जोड़ने की परंपरा भी मजबूत होगी। रक्षाबंधन जैसे सांस्कृतिक पर्व को नई पीढ़ी से जोड़ने का यह प्रयास आने वाले समय में और व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा।

प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय की 10 उत्कृष्ट छात्राओं को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। वहीं प्रमंडल स्तर पर चयनित 10 सर्वश्रेष्ठ राखियों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

विद्यालय के शिक्षकों ने इस पहल को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में रचनात्मकता, भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और पारिवारिक रिश्तों की भावना मजबूत होगी। छात्राओं ने भी खुशी जताते हुए कहा कि पहली बार उन्हें अपनी बनाई राखी और अपने हाथों से लिखा पत्र सीधे भाई तक भेजने का अवसर मिला है।

भारतीय डाक विभाग की यह पहल केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को रिश्तों की अहमियत, हस्तलिखित पत्रों की आत्मीयता और डाक सेवा की ऐतिहासिक विरासत से जोड़ने का एक प्रेरणादायक अभियान बनकर उभर रही है।

सिमडेगा में होटल से बाल श्रमिक मुक्त, जिला प्रशासन के संयुक्त अभियान में बड़ी कार्रवाई

संवाददाता

सिमडेगा : राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के राष्ट्रव्यापी बचाव एवं पुनर्वास अभियान 4.0 के तहत सिमडेगा जिले में बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में बड़ी कार्रवाई करते हुए ठेठईटांगर प्रखंड स्थित एक होटल से एक बाल श्रमिक को मुक्त कराया गया। जिला प्रशासन के समन्वय और विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयास से चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान बालक को सुरक्षित संरक्षण में लेकर उसके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

यह अभियान उपायुक्त सिमडेगा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्रवाई का नेतृत्व श्रम अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने किया। अभियान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य मुकेश कुमार, एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) के सूरज कुमार, चाइल्डलाइन, जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) तथा छोटानागपुर कल्याण निकेतन सहित विभिन्न विभागों एवं

संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान होटल में कार्यरत एक बालक की पहचान की गई, जो बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित 2016) का उल्लंघन करते हुए कार्य करता पाया गया। इसके बाद बालक को तत्काल सुरक्षित संरक्षण में लिया गया तथा होटल संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। बचाव अभियान के बाद बालक को बाल संरक्षण तंत्र से जोड़ते हुए उसके पुनर्वास, औपचारिक शिक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है, ताकि वह सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में अपना भविष्य संवार सके।

श्रम अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि बाल श्रम बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। प्रत्येक बच्चे का स्थान विद्यालय में है, न कि किसी होटल, दुकान, फैक्ट्री या अन्य कार्यस्थल पर। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग जिला प्रशासन के सहयोग से नियमित निरीक्षण, जन-जागरूकता अभियान और कानूनी कार्रवाई के माध्यम से सिमडेगा को पूर्णतः बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिला प्रशासन ने कहा कि बाल श्रम उन्मूलन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। विद्यालयों, पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, नागरिक संगठनों और आम लोगों के सहयोग से ही प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक बचपन का अधिकार सुनिश्चित किया जा सकता है।

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी किसी बच्चे से मजदूरी कराई जाती दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन, श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें। प्रशासन का कहना है कि समय पर दी गई एक सूचना किसी बच्चे के जीवन को नई दिशा दे सकती है।

जिला प्रशासन ने दोहराया कि बाल अधिकारों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में भी ऐसे संयुक्त बचाव एवं पुनर्वास अभियान नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे।

पोषण सहायता से बदली अनुग्रह टोपनो की जीवन यात्रा

संवाददाता

सिमडेगा : जिले के बानो प्रखंड अंतर्गत बांकी पंचायत के नोमिल महुआटोली गाँव के नन्हें अनुग्रह टोपनो की कहानी इस बात का सशक्त उदाहरण है कि समय पर पहचान, नियमित वृद्धि निगरानी और समुचित पोषण सहायता के माध्यम से कुपोषण जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। जिला प्रशासन सिमडेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आंगनवाड़ी कार्यकताओं के समन्वित प्रयासों ने अनुग्रह को कुपोषण से सुपोषण की ओर सफलतापूर्वक अग्रसर किया है। अनुग्रह टोपनो का जन्म 16 नवंबर 2022 को 2.6 किलोग्राम वजन के साथ हुआ था। जन्म के समय उनकी पोषण स्थिति सामान्य थी। आंगनवाड़ी केंद्र द्वारा नियमित रूप से उनके वजन एवं लंबाई की मासिक निगरानी की जाती रही। प्रारंभिक छह माह तक उनका शारीरिक विकास सामान्य रहा, किंतु इसके बाद वजन एवं लंबाई में अपेक्षित वृद्धि नहीं होने लगी। नियमित वृद्धि निगरानी के कारण कुपोषण के शुरूआती संकेतों की समय रहते पहचान कर ली गई।

आंगनवाड़ी सेविका द्वारा परिवार को आयु के अनुरूप पूरक आहार, संतुलित भोजन एवं उचित बाल देखभाल के संबंध में लगातार परामर्श दिया गया। हालांकि, पारिवारिक परिस्थितियों के कारण बच्चे की माता को प्रतिदिन रोजगार के लिए घर से बाहर जाना पड़ता था और बच्चे की देखभाल बड़े भाई-बहनों के भरोसे रहने लगी। इससे पोषण संबंधी परामर्शों का समुचित पालन नहीं हो सका और बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होने लगा। वह बार-बार बीमार पड़ने लगा तथा उसका वजन अपेक्षित रूप से नहीं बढ़ रहा था।

स्थिति को देखते हुए चिकित्सीय उपचार केंद्र (टळठ) में रेफरल की सलाह दी गई, लेकिन पारिवारिक कारणों से वहाँ पहुँचना संभव नहीं हो पाया। इसके बाद सामुदायिक स्तर पर संचालित गंभीर कुपोषण उपचार केंद्र (रळउ) में बच्चे का नामांकन कराया गया। रळउ में प्रवेश के समय अनुग्रह का वजन 8.4 किलोग्राम तथा लंबाई 88.5 सेंटीमीटर थी और उसकी पोषण स्थिति कुपोषित श्रेणी में थी।

जिला प्रशासन सिमडेगा के सक्रिय नेतृत्व एवं सतत मॉनिटरिंग के तहत बच्चे को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पौष्टिक पूरक आहार, टेक-होम राशन (ळलफ), रअट मेडिसिन किट तथा पोषण परामर्श जैसी आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं। प्रत्येक पंद्रह दिनों पर वजन एवं लंबाई की समीक्षा की गई तथा आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर अनुवर्ती निगरानी एवं व्यवहार परिवर्तन संचार (इउउ) के माध्यम से परिवार को जागरूक किया गया। लगातार 15 दिनों तक रळउ में उपचार एवं पोषण सहायता प्राप्त करने के बाद अनुग्रह के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। उसका वजन 8.4 किलोग्राम से बढ़कर 10.7 किलोग्राम हो गया तथा लंबाई में भी वृद्धि दर्ज की गई। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि वह पूर्णतः कुपोषण से मुक्त होकर स्वस्थ श्रेणी में आ गया। अब वह पहले की अपेक्षा अधिक सक्रिय एवं स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर है।

इस सकारात्मक परिवर्तन ने न केवल बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार किया, बल्कि उसके माता-पिता में भी बाल पोषण एवं नियमित वृद्धि निगरानी के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। परिवार के पोषण संबंधी व्यवहारों में सकारात्मक बदलाव आया है और समुदाय स्तर पर आंगनवाड़ी सेवाओं के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

अनुग्रह टोपनो की यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि यदि कुपोषण की समय पर पहचान कर नियमित निगरानी, गुणवत्तापूर्ण पोषण सहायता, सामुदायिक सहभागिता तथा अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए, तो गंभीर कुपोषण जैसी चुनौती का भी सफलतापूर्वक समाधान किया जा सकता है।

मलेरिया जांच बढ़ी, 95 नए मरीज मिले

जमशेदपुर : जिले में मलेरिया जांच का दायरा बढ़ाया गया तो संक्रमित मरीजों की संख्या भी बढ़ गई। सोमवार को जिलेभर में 13,310 लोगों की जांच की गई, जिसमें 95 मलेरिया संक्रमित मिले। इसके मुकाबले रविवार को 9,771 लोगों की जांच में 76 मरीज मिले थे। सोमवार को पोटका में सर्वाधिक 3,830 लोगों की जांच की गई, जिसमें 28 मरीज संक्रमित पाए गए। दूसरे स्थान पर पटमदा रहा, जहां केवल 569 जांच में ही 17 मरीज मिले। इसके अलावा डुमरिया में 2,159 जांच में 15 मरीज, मुसाबनी में 13, धालभूमगढ़ में 10, घाटशिला में सात, बहरागोड़ा में तीन तथा चाकुलिया और सदर अस्पताल में एक-एक मरीज की पुष्टि हुई। पोटका के 30 गांवों में लगा शिविर पोटका में सोमवार को चिकित्सकों, एमपीडब्ल्यू और सहिया साथियों की टीम ने 30 गांवों में शिविर लगाकर ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के रक्त नमूने लेकर मलेरिया की जांच की। इस दौरान धतकीडीह रोटेदा, हाई स्कूल चाकड़ी, मध्य विद्यालय टांगराईन, मध्य विद्यालय कोवाली, गोड़िंदा, तुलग्राम, करारकोचा, नारदा, रुगड़ीसाई (भालकी), बंगालीबासा, मोहनाडीह, पोड़सा, हेंसलघुटू, उलुघुटू, तिरिलघुटू, परवागोड़ा, बलियागोड़ा, हाई स्कूल तिरिलडीह, बाड़ेडीह, भुटका, मुदासाई, किसानडीह स्कूल, रोहिणीबेड़ा, कुलडीहा पंचायत भवन, बालीडीह, रसुनचोपा, मुकुंदासाई, सिकिड़िया, भुरलीटाड़ी, बड़ा आमदाकमलपुर, सोहदा, नेतोसाई तथा भुरकाडीह में शिविर आयोजित किए गए।

सोमवार को पल्ली मंगल उच्च विद्यालय, शांतिपुर, मध्य विद्यालय कोवाली, मध्य विद्यालय रोहिणीबेड़ा तथा मध्य विद्यालय सोहदा में विद्यार्थियों की भी मलेरिया जांच की गई। कुल 498 छात्रों की जांच में केवल दो छात्र संक्रमित पाए गए।

जय चंद्र झा बने ललित नारायण मिश्र समिति के नए अध्यक्ष

संवाददाता

जमशेदपुर : गोविंदपुर स्थित मिथिला भवन में ललित नारायण मिश्र सांस्कृतिक एवं सोशल कल्याण समिति की वार्षिक आमसभा हुई। इसमें 194 आजीवन सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान जय चंद्र झा को समिति का नया अध्यक्ष घोषित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित विपिन झा के स्वस्तिवाचन के साथ हुई। इसके बाद समिति के पदाधिकारियों और अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित किया। निवर्तमान महासचिव शंकर पाठक ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष बैजू मिश्र ने आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा रखा। आमसभा में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए, जिन पर सदस्यों ने विस्तार से चर्चा की और सर्वसम्मति से फैसले लिए। सदस्यों ने संगठन को और मजबूत बनाने के लिए सुझाव भी दिए। अंत में समिति के अध्यक्ष ने सभी आजीवन सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित सदस्य हैं। कार्यक्रम का समापन राजीव ठाकुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

नई कार्यकारिणी गठित

आमसभा के बाद 2026-2029 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। निर्वाचन पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ। सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के प्रति अपना विश्वास व्यक्त करते हुए समिति को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया। जीवछ झा, नवकांत झा और विपिन कुमार झा की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया चली। इसके बाद नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसका उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में शहर के अन्य मैथिली संस्थाओं के गणमान्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

बटुकेश्वर दत्तः क्रांति के उस अमर प्रहरी को राष्ट्र का ऋण कब चुकाएगा?

हृदयानंद मिश्र

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास जितना महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसा का इतिहास है, उतना ही वह उन निर्भीक क्रांतिकारियों के साहस, त्याग और बलिदान का भी इतिहास है जिन्होंने अपने प्राणों की बाजी लगाकर साम्राज्यवाद की नींव हिला दी। ऐसे ही महान क्रांतिकारियों में बटुकेश्वर दत्त का नाम अत्यंत सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। दुर्भाग्य यह है कि जिनके साहस ने ब्रिटिश सत्ता को झकझोर दिया, स्वतंत्र भारत में उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे वास्तविक अधिकारी थे।

8 अप्रैल 1929 को दिल्ली की केंद्रीय विधानसभा में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने बम फेंककर यह संदेश दिया था कि उनका उद्देश्य किसी की हत्या करना नहीं, बल्कि ₹बहरों को सुनाना₹ था। उन्होंने स्वयं गिरफ्तारी दी ताकि अदालत को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध अपने विचारों का मंच बना सकें। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में क्रांतिकारी चेतना की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में गिनी जाती है।

बटुकेश्वर दत्त ने आजीवन कारावास, अंडमान की सेल्युलर जेल की अमानवीय यातनाएँ और ब्रिटिश शासन का दमन सहा, लेकिन कभी अपने आदर्शों से समझौता नहीं किया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि स्वतंत्रता केवल शब्दों से नहीं, बल्कि त्याग और संघर्ष से प्राप्त होती है।

विडंबना यह है कि स्वतंत्रता के बाद वही क्रांतिकारी आर्थिक कठिनाइयों और उपेक्षा का जीवन जीने को विवश हुआ। बीमारी की अवस्था में भी उन्हें वह सम्मान और संवेदनशीलता नहीं मिली जिसकी अपेक्षा स्वतंत्र भारत से थी। यह केवल एक व्यक्ति की उपेक्षा नहीं थी, बल्कि उस क्रांतिकारी परंपरा की भी उपेक्षा थी जिसने भारत की स्वतंत्रता की नींव अपने रक्त से सींची।

आज जब राष्ट्र अपने स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करता है, तब यह आवश्यक है कि बटुकेश्वर दत्त जैसे गुमनाम होते जा रहे नायकों को इतिहास के केंद्र में पुनः स्थापित किया जाए। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में उनके जीवन को विस्तार से स्थान मिले, उनके नाम पर शोध संस्थान, संग्रहालय और स्मारक विकसित किए जाएँ तथा नई पीढ़ी को बताया जाए कि स्वतंत्रता केवल एक तिथि नहीं, बल्कि अनगिनत बलिदानों का परिणाम है।

बटुकेश्वर दत्त की सबसे बड़ी विरासत उनका अदम्य साहस, राष्ट्रप्रेम और निस्वार्थ समर्पण है। उन्होंने कभी व्यक्तिगत यश या पद की आकांक्षा नहीं की। उनका संपूर्ण जीवन मातृभूमि को समर्पित रहा। ऐसे व्यक्तित्व हमें यह सिखाते हैं कि सच्चा राष्ट्रवाद केवल नारों में नहीं, बल्कि कर्तव्य, त्याग और जनसेवा में दिखाई देता है।

आज, जब देश 'विकसित भारत' का सपना देख रहा है, तब यह भी हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है कि हम अपने इतिहास के उन अनमोल अध्यायों को पुनर्जीवित करें जिन्हें समय की धूल ने ढक दिया है। बटुकेश्वर दत्त केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि भारतीय स्वाभिमान, साहस और बलिदान के अमर प्रतीक हैं।

उनकी स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि भारत का प्रत्येक नागरिक उनके जीवन से प्रेरणा ले और आने वाली पीढ़ियों तक उनके संघर्ष की गाथा पहुँचाए। राष्ट्र अपने वीरों का सम्मान जितनी ईमानदारी से करता है, उसका भविष्य उतना ही गौरवशाली होता है। बटुकेश्वर दत्त के प्रति यह राष्ट्रीय ऋण आज भी शेष है– और इसे चुकाने का सबसे उचित समय अभी है।